सुविचार
अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।

दैनिक नर्मदा न्यूज़
TO THE POINT
RNI.No.MPHIN/25/A3054
www.narmadanewsttp.com

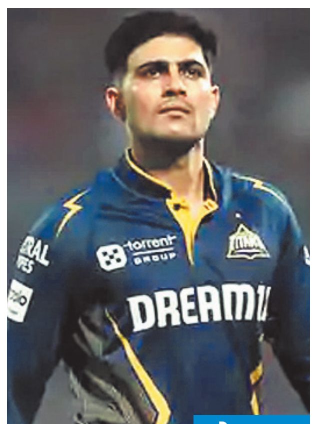
पेज-7

● वर्ष-1, ● अंक- 287 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, शुक्रवार 10 अप्रैल, 2026 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

भाजपा विचारधारा आधारित दल है, बाकी दल व्यक्ति या परिवार आधारित राजनीति करते हैं -हेमंत खंडेलवाल

भाजपा सरकारें सभी समाज वर्गों के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही हैं

भोपाल/निवाड़ी/टीकमगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने गुरुवार को निवाड़ी जिले के ओरछा व टीकमगढ़ में जिला बैठक एवं जनप्रतिनिधि बैठक, छोटी टोली बैठक और निवाड़ी जिले की पृथ्वीपुर विधानसभा के ग्राम बिन्दुपुरा एवं टीकमगढ़ जिले की जतारा विधानसभा की ग्राम पंचायत बमौरीखास में 'गांव-बस्ती चलो' अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचारधारा आधारित दल है। कांग्रेस सहित देश के बाकी राजनीतिक दल व्यक्ति या परिवार आधारित राजनीति करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दूरदर्शी नीतियों और उल्लेखनीय कार्यों से विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता बने हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के साथ देश के विभिन्न राज्यों की भाजपा और सहयोगी दलों की सरकारें सभी समाज वर्गों के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही हैं। बुंदेलखंड भाजपा संगठन और सरकार के दिल में बसता है। गांव-बस्ती चलो अभियान बूथ को मजबूत बनाने का माध्यम है।

भाजपा सरकारें अच्छा कार्य कर रही हैं तो उन्हें जनता तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं का दायित्व- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अपनी नीतियों और कार्यों से देश की जनता की जिंदगी संवारने का कार्य किया है। भाजपा सरकारें बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं, इन सभी अच्छे कार्यों को जनता तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं का दायित्व है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा अनेकों योजनाएं चलाकर हर समाज वर्ग के कल्याण का कार्य किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल में पीएम मोदी बोले-

टीएमसी राज में मां-मानुष डरे हुए

● 4 मई के बाद गुंडागर्दी का हिसाब लेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम मोदी गुरुवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि–हम ऐसा समाज देखने चाहते हैं। जहां हर कोई भय से मुक्त हो। ये मां, माटी और मानुष की बात करते हैं। मां आज रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है, डरा हुआ है।

उन्होंने कहा कि– गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे जहां हर कोई भय से मुक्त हो, लेकिन अस्ष्ट के महाजंगलराज ने एकदम उल्टा कर दिया। टीएमसी ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान किया था। इससे पहले आज ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में जनसभा की। उन्होंने कहा कि आपने टीएमसी पर विश्वास किया था, लेकिन टीएमसी ने बंगाल में निर्ममता की सारी हदें पार कर दीं हैं। उन्होंने कहा कि 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब चीएमसी का भय नहीं, भाजपा का भरोसा चलेगा। लेफ्ट और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि– बीते कुछ दशकों में बंगाल ने हर पार्टी पर भरोसा करके देखा है। पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और फिर कांग्रेस। लेकिन ये सब एक ही थाली के चट्टे–बट्टे हैं। इन लोगों नो सिर्फ बंगाल को धोखा दिया, उनके सपनों को मिट्टी में मिला दिया और उनके सपनों को कुचल दिया। गुरुवार को ही मोदी ने पश्चिम बंगाल के हल्दिया में भी जनसभा की। उन्होंने कहा– टीएमसी ने बंगाल के युवाओं को डबल धोखा दिया है।

गोरखपुर में 9वीं की छात्रा के साथ गैंगरेप

● अलग-अलग होटलों में 10 लोगों ने की हैवानियत

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में 9वीं की छात्रा के साथ 10 लोगों ने रेप किया। एक नवंबर को सुबह 9 बजे छात्रा स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर ढूंढा। फिर 7 नवंबर को थाने में गुमशुदी दर्ज कराई।

पुलिस ने केस दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू की। 23 मार्च को छात्रा को पुलिस ने बरामद कर लिया। पूछताछ में छात्रा ने बताया कि एक युवक के बहकावे में वो चली गई थी।

इसके बाद उसके साथ कई होटलों में अलग–अलग दिन 10 लोगों ने रेप किया। पुलिस ने छात्रा का मेडिकल कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने छात्रा को भगाने के आरोपी एक युवक को पकड़ा। इसके बाद होटल संचालक सहित 10 लोगों को हिरासत में लिया। बुधवार को 4 आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। घटना चौरीचौरा थाना क्षेत्र की है।

4 महीने पहले लापता हुई थी छात्रा

चौरीचौरा इलाके की रहने वाली 14 साल की छात्रा कक्षा 9 में पढ़ती है। छात्रा के पिता गुजरात में मजदूरी करते हैं। पुलिस के अनुसार, 1 नवंबर 2025 को छात्रा सुबह 9 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में उसका जाने वाला ऑटो चालक मनीष राजभर (उर्फ मोनू) मिल गया। उसने छात्रा को ऑटो में बैठाकर एक निर्माणाधीन मकान में ले गया। वहां पर उसने रेप किया।

● सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई में सरकार बोली

कई मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती

● कोर्ट यह नहीं कह सकता वहां शराब मत दो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान भारत के मंदिरों में रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए। एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे यही परोसा जाना चाहिए। उसे उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की बुधवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई कर रही है। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन- धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं।

सीजेआई बोले- हर सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता

वैद्यनाथन – अनुच्छेद 32 (फंडामेंटल राइट्स की सुरक्षा) के तहत हर धार्मिक समूह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कोर्ट जा सकता है। अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कोई कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है। तो उसका असर अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं के अधिकार) पर भी पड़ सकता है। यानी यह कहना सही नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर कभी असर ही नहीं पड़ेगा। इस सवाल का जवाब सिर्फ

केंद्र बोला-

व्यभिचार–समलैंगिक संबंधों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले ठीक नहीं– सुनवाई के दौरान मेहता ने कहा है कि व्यभिचार और सहमति से बने समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने वाले फैसले सही कानून नहीं हैं। ये फैसले 'संवैधानिक नैतिकता' की व्यक्तिगत व्याख्या पर आधारित थे, इसलिए इन्हें अच्छा कानून नहीं माना जाना चाहिए। मेहता ने कहा– लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर चलने वाले देश में बहुसंख्यक वर्ग का दृष्टिकोण ही प्रभावी होता है। मेहता ने हार्वर्ड लॉ रिव्यू में छपे कैथरीन टी. बार्टलेट के लेख 'सम फेमिनिस्ट लीगल मेथड्स' का जिक्र कर कहा, अनुच्छेद 141 के तहत यह एक कानून बन जाता है, जो 140 करोड़ भारतीयों पर लागू होता है।'

सबरीमाला सहित 5 मामले, जिन पर सुप्रीम कोर्ट फैसला करेगा

यूपी जाने वाले भारी वाहनों का रास्ता बदला, 30 अप्रैल तक पाबंदी

● रीवा में बीहर नदी के पुल पर आई दरार

रीवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश (प्रयागराज और वाराणसी) को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग अगले कुछ हफ्तों के लिए प्रभावित रहेगा। जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर बीहर नदी पर बने 20 साल पुराने पुल में दरार आने के बाद पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर भारी वाहनों के प्रवेश पर 30 अप्रैल तक रोक लगा दी है।**मैहर-सतना-चित्रकूट होकर गुजरेंगे वाहन-**पुल बंद होने के कारण प्रयागराज और वाराणसी की ओर जाने वाले ट्रकों और भारी वाहनों को मैहर-सतना-चित्रकूट मार्ग से डायवर्ट किया गया है। अचानक बढ़े ट्रैफिक के दबाव के कारण नेशनल हाईवे-30 पर मैहर के पास मंगलवार रात को करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस की टीमें अब हाईवे पर ट्रैफिक सुचारू करने के लिए तैनात की गई हैं। 20 साल पुराने पुल की मरम्मत शुरू अधिकारियों के अनुसार, इस पुल का निर्माण लगभग दो दशक पहले हुआ था। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की देखरेख में मरम्मत का काम चल रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है ताकि समय रहते रूट को दोबारा बहाल किया जा सके।

लंगूर के हाथ अंगूर

पानी की तलाश में खरगोन मार्केट पहुंचे वानर राज

खरगोन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के सेगांव में इन दिनों एक नटखट मेहमान ने व्यापारियों की नाक में दम कर रखा है। भीषण गर्मी और पानी की तलाश में जंगल से भटककर आए एक लंगूर ने बाजार की एक फल दुकान को अपना ठिकाना बना लिया। बंदर का अंदाज ऐसा था मानो वह खुद ही दुकान का असली मालिक हो। दुकान पर जमाया कब्जा बाजार में सजी फलों की दुकान देखकर लंगूर का मन ऐसा ललचाया कि वह सीधे कैरेटों के बीच जा बैठा। वह पूरे रौब के साथ दुकान पर जमा रहा, जिसके चलते दहशत में आए ग्राहकों ने दुकान के पास फटकना ही बंद कर दिया। जब कोई ग्राहक नहीं आया, तो कपिराज ने खुद ही बिना बोहनी के फलों को खाना शुरू कर दिया और रसीले आम, केले और अंगूरों पर टूट पड़ा। लंगूर ने केवल फल खाए ही नहीं, बल्कि कई फलों को इधर–उधर फेंककर बर्बाद भी कर दिया। दुकानदार श्याम गुप्ता ने बताया कि लंगूर काफी आक्रामक था। उसने बाजार से गुजर रही एक महिला के सिर से गेहूं की पोटली तक छीन ली। व्यापारी का कहना है कि इस मेहमान की वजह से उसे हजारों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

प्रदेश की सड़कों से हटेंगी 899 पुरानी कमर्शियल बसें

● खटारा बसों में जबलपुर पहले नंबर पर

जबलपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की सड़कों से जल्द ही 15 साल पुरानी कमर्शियल बसें हटेंगी। सरकार के इस आदेश पर हाईकोर्ट ने भी मुहर लगा दी है। इस आदेश के बाद उन बस ऑपरेटर्स को बड़ा झटका लगा है, जिन्होंने याचिका दायर की थी।

15 साल की उम्र पार कर चुकी 899 बसें-खटारा बसों में जबलपुर नंबर 1 पर जानकारी के मुताबिक, सबसे ज्यादा खटारा बसें जबलपुर में हैं, जबकि सबसे कम रीवा संभाग में चल रही हैं। परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने आयुक्त विवेक शर्मा को एक पत्र लिखकर इन सभी बसों की सूची सौंप दी है।

अब इन बसों पर जल्द ही कार्रवाई होगी। सरकार के इस आदेश के बाद बस संचालकों ने दलील दी है कि जब उनकी बसों को परमिट और फिटनेस सर्टिफिकेट दिया गया था, तब उनकी उम्र 15 साल नहीं हुई थी।

मध्यप्रदेश में रोजाना 11,000 वैध बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं। एक बस में करीब 40 से 50 यात्री रोज सफर करते हैं, यानी लगभग 4.5 लाख यात्री बस से सफर करते हैं।

मध्यप्रदेश में 899 ऐसी बसें दौड़ रही हैं

जिन्होंने अपनी 15 साल की उम्र पार कर ली है। ये बसें खटारा हो चुकी हैं, इसके बावजूद भी प्रदेश के शहरों के बीच सवारियां ढोने का काम कर रही हैं। मामले में सरकार ने सख्त कदम उठाया तो बस ऑपरेटर्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। 14 नवंबर 2025 को शासन ने आदेश जारी किया था, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

ईरान –अमेरिका के बीच सीजफायर पर संशय के बादल

● अमेरिका ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं, अब बातचीत बेकार: ईरान ● ट्रम्प बोले- समझौते तक ईरान के आसपास आर्मी तैनात रहेगी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान ने कहा कलेबनान में हमले जारी रहते हुए सीजफायर की बात मंजूर नहीं है।

ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है।वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी।ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर से गोलीबारी शुरू होगी, जो पहले से ज्यादा बड़ी, ताकतवर और विनाशकारी होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बेहद कम है, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है।

लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें

इजराइली सेना ने लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

होर्मुज में अभी भी हालात तनावपूर्ण

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम होने के बाद भी मिडिल ईस्ट में हालात पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं। इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है।

लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है: इजराइल प्रधानमंत्री

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान अमेरिका–ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है। वहीं, मध्यस्थ पाकिस्तान का कहना है कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि लेबनान इस समझौते से अलग है और इसका हिस्सा नहीं है।

ईरान होर्मुज से गुजरने वाले टैंकरों पर 1 डॉलर प्रति बैरल टोल लगाया
ईरान होर्मजु स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल के जहाजों से हर बैरल पर 1 डॉलर टैक्स लेने की योजना बना रहा है। ईरान यह भुगतान क्रिप्टोकरेंसी में चाहता है। यह खबर फाइनेंशियल टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से दी है।

15,400 टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचा जहाज ग्रीन आशा – भारतीय झंडे वाला एलपीजी टैंकर 'ग्रीन आशा' 15,400 टन गैस लेकर भारत पहुंचा है। होर्मुज स्ट्रेट पार कर यह जहाज गुरुवार को नवी मुंबई के जेएनपी(जवाहरलाल नेहरू पोर्ट) पर डॉक किया।

संक्षिप्त समाचार

आलीशान कोठियां जमींदोज... दिल्ली के सैनिक फार्म में जमकर गरजा डीडीए का बुलडोजर

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली स्थित सैनिक फार्म में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ

डीडीए ने एक बार फिर बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है। वहीं, लोगों के विरोध को देखते हुए आस-पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात की गई है। डीडीए की जमीन पर बने अवैध ढांचों को गिराने के लिए रात में ही तीन बुलडोजर पहुंचे थे। इसके बाद गुरुवार सुबह पुलिस बल के पहुंचते ही टीम ने डब्ल्यू 22/27 पर अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कर दिया। इससे पहले दिसंबर में डीडीए ने सात से अधिक बुलडोजरों का इस्तेमाल कर 20-25 साल पुरानी और डीडीए की जमीन पर बनी कथित अवैध आलीशान कोठियों को जमींदोज किया था।

दिल्ली के इस इलाके में दो दिन पानी की सप्लाई रहेगी बाधित, जल बोर्ड ने बताई वजह

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। अंडरग्राउंड रिजरवायर और बूस्टर पंपिंग स्टेशन की वार्षिक सफाई (फ्लशिंग) के चलते 10 और 11 अप्रैल को मंगोलपुरी क्षेत्र के कुछ इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। 10 अप्रैल को दिल्ली जलबोर्ड के इस कार्य से मंगोलपुर कलां गांव, मुबारकपुर गांव और कराला गांव में जलापूर्ति बाधित रहेगी। वहीं, 11 अप्रैल को मंगोलपुर कलां गांव में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड ने क्षेत्र के निवासियों से अपील की है कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार पहले से पर्याप्त पानी जमा कर लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे: सबापुर-करावल नगर सर्विस रोड पर नहीं लगेगा टोल

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 14 अप्रैल को होने जा रहा है। इसके साथ ही, हाईवे पर टोल वसूली भी शुरू हो जाएगी। इस एक्सप्रेसवे के ज़रिए, हृ ॥ह्न ने खजूरी पुश्ता पर होने वाले लंबे समय से चले आ रहे ट्रैफिक जाम की समस्या को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया है। उद्घाटन से पहले एनएचआई ने सबापुर गांव और उसके आस-पास के इलाकों में रहने वाले स्थानीय लोगों को टोल शुल्क के मामले में राहत भी दी है। यह राहत देते हुए, एनएचआई ने सर्विस रोड पर टोल न लगाने का फैसला किया है। एनएचआई ने हाईवे पर लोनी बॉर्डर पर एक टोल प्लाज़ा बनाया है। उम्मीद है कि यह कुछ ही

दिनों में चालू हो जाएगा। एक बार खुलने के बाद, वाहन चालक इस हाईवे के रास्ते सीधे अक्षरधाम से देहरादून तक जा सकेंगे। सबापुर गांव और आस-पास के इलाकों के लोगों को अभी करावल नगर इलाके तक पहुँचने के लिए बॉर्डर पर सर्विस लेन के रास्ते यू-टर्न लेना पड़ता है। लोगों को डर था कि एनएचआई सर्विस रोड पर भी टोल वसूली शुरू कर देगा। नतीजतन, टोल के मुद्दे को लेकर लोगों में गहरी चिंता थी। उन्हें इस बात का डर सता रहा था कि अगर एनएचआई ने सर्विस लेन पर टोल लगा दिया, तो उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा टोल टैक्स में ही चला जाएगा। लोगों ने तो विरोध प्रदर्शन की तैयारी भी शुरू कर दी थी; हालाँकि, ऐसे विरोध प्रदर्शन होने से पहले ही, एनएचआई ने साफ कर दिया कि वह सर्विस रोड पर कोई टोल नहीं लगाएगा। फिर भी, लोनी से दिल्ली की ओर जाने वाले रास्ते पर करावल नगर के पास पहले से ही एक नगर निगम का टोल बूथ मौजूद है।

जीएसटी विभाग में बड़े अधिकारियों की अनुपस्थिति, सीएम रेखा गुप्ता ने किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सत्ता संभालते समय करीब एक साल पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों का वर्क कल्चर बदलने की जो बात कही थी, दिल्ली बिक्री एवं कर विभाग (स्टेट जीएसटी) के अधिकारियों ने उसे हवा में उड़ा दिया है। सीएम ने बुधवार को जब इस विभाग के मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया तो वहां कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद नहीं थे। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही निर्देश जारी किए कि जो भी स्टाफ अनुपस्थित है, उन्हें तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति का अपडेट मांगा और बायोमेट्रिक आधार पर पिछले एक महीने का रिकार्ड तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने संकेत दिए हैं कि कई अन्य विभागों के भी इसी तरह औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और लापरवाह अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कई वरिष्ठ अधिकारियों के अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासन केवल निचले कर्मचारियों के लिए नहीं, बल्कि आयुक्त और विशेष आयुक्त स्तर तक हर अधिकारी पर समान रूप से लागू है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को बायोमेट्रिक सिस्टम का गंभीरता से पालन करने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान करदाताओं और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। जिसमें जनता ने विभाग में फैले भ्रष्टाचार और काम रोकने की प्रथा के बारे में उन्हें जानकारी दी है। लोगों ने बताया कि न ही अधिकारी और न ही निरीक्षक मिलते हैं, बगैर पैसे यहां काम नहीं होता है। सीएम ने संबंधित

अधिकारियों को फटकार लगाते हुए दो टूक कहा कि जनसेवा में देरी या लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी और इसके लिए सीधे जिम्मेदारी तय की जाएगी। जन-शिकायत निवारण व्यवस्था पर भी मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की बैठकों के कारण नागरिकों के काम लंबित रहना अस्वीकार्य है। सभी लंबित मामलों की साप्ताहिक समीक्षा की जाए, शिकायत निवारण प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाए तथा सेवाओं में किसी भी प्रकार की देरी के लिए संबंधित अधिकारी की स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोहराया कि दिल्ली सरकार लापरवाही, अनियमितता व भ्रष्टाचार आदि किसी भी मामले जीरो टालरेंस नीति पर काम कर रही है। कार्यालय परिसर के निरीक्षण में मुख्यमंत्री ने बुनियादी ढांचे और सुरक्षा व्यवस्थाओं को बेहतर करने के भी निर्देश दिए।

युवती बनकर ठगी करने वाले 2 अफ्रीकी गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर युवाओं को बनाते थे निशाना

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। दो अफ्रीकी नागरिक घूमने के लिए भारत आए। दक्षिणी दिल्ली में किराये पर घर लेकर ठगी का धंधा करने लगे। सोशल मीडिया पर खुद को महिला बताकर युवकों को अपने प्रेम के जाल में फंसाकर उनसे रकम ठगने लगे। पूर्वी जिला पुलिस ने ठगी के मामले में दो अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान बेमाह व सोलोमन के रूप में हुई है। इनके पास से ठगी में इस्तेमाल छह मोबाइल व दो पासपोर्ट बरामद किए हैं। 12 लोगों से यह 50 लाख रुपये की ठगी कर चुके हैं। वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी यह दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे थे। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार रावल ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों से संदिग्ध म्यूल बैंक खातों की जानकारी जुटाई गई। जांच के दौरान कई बैंक खातों को साइबर ठगी से जुड़ा पाया गया। इसके बाद केस दर्ज किया गया। वहीं, टेक्निकल सर्विलांस और स्थानीय सूचना के आधार पर दक्षिणी दिल्ली से दो विदेशी ठगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से जब्त मोबाइल की जांच में पीड़ितों के साथ की गई चैट, एयरपोर्ट से जुड़ी तस्वीरें और ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जानकारी मिली है। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया की सोशल मीडिया पर खुद को महिला बताकर भारतीय युवाओं से संपर्क करते थे। वे पीड़ितों से दोस्ती कर भावनात्मक रिश्ता बनाते और फिर यह कहकर झांसा देते कि वे भारत आ रही हैं।

नरेला में एमसीडी सफाईकर्मी की निर्मम हत्या, बाइक से पेट्रोल चोरी रोकने पर बाप-बेटों ने मार डाला

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। नरेला थाना क्षेत्र में बाइक से पेट्रोल चोरी करने का विरोध करने पर बाप व दो बेटों ने संविदा पर काम करने वाले एक एमसीडी कर्मचारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। नरेला थाना पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर फरार आरोपितों का पता लगा रही है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय राजेंद्र के रूप में हुई है। पीड़ित परिवार ने जल्द से जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग की है। जानकारी के मुताबिक राजेंद्र अपनी पत्नी कमलेश, तीन बेटे और एक बेटी के साथ नरेला स्थित बांकनेर गांव में रहते थे। नरेला एमसीडी जोन में 26 वर्ष से संविदा

पर सफाईकर्मी थे। मृतक के राजेंद्र के बेटे रोहित ने बताया कि 30 मार्च को पड़ोस में जागरण था। जहां कई लोग बाइक से आए थे। उन्होंने बाइक उनके घर सामने खड़ी कर दी थी। तभी घर के सामने ही रहने कृष्ण और उनके दो बेटे हनी और गोलू आए और बाइक से तेल चोरी करने लगे। उन्होंने तेल चोरी करने से उन्हें मना किया। तभी वे सभी बाइक में आग लगाने की बात करने लगे। रोहित का आरोप है कि विरोध करने पर वे सभी हमारे घर में घुस गए। डंडो से पिता, माता, भाई और उनके बहन पर हमला कर दिया। इस दौरान वे सभी पिता को घर से बाहर लाकर डंडों से पिटाई करने लगे। अधमरा होने के बाद सभी फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिता, माता, बहन और भाई को राजा हरिश्चंद्र लेकर गए। जहां इलाज के बाद माता, भाई और बहन को छुट्टी दे दी गई।
वहीं, 31 मार्च को पिता की हालत बिगड़ने पर उन्हें लोक नायक अस्पताल के लिए रेफल कर दिया। जहां इलाज के दौरान आठ अप्रैल को उन्होंने दम तोड़ दिया।

बाजार में बिक रहा केमिकल और कार्बाइड से पकाया गया केला, पपीता और आम; खाने से पहले ऐसे करें पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। मौसम करवटें ले रहा है। बारिश हो रही है। तेज हवा के चलते आम के बौर झड़ रहे हैं। आम के बगीचों के मालिक नुकसान की बात कह रहे हैं। मगर बाजार में पके आम की खेप आने लगी है। ऐसे में आम खाने के शौकीनों को सतर्क रहना होगा। कारण, यह मौसम का नहीं केमिकल का कमाल है। यही नहीं केले और पपीते का भी कुछ यही हाल है। हर मौसम का एक फल होता है। मौसम के अनुसार, फल की आवक होने पर उसका दाम संतुलित रहता हे। मगर मुनाफाखोर उसी फल को समय से पहले बाजार में लाकर दो से तीन गुनी कमाई करते हैं। आम के साथ भी यही हो रहा है।

बाजार में आम ठेलों पर दिखने लगे हैं। मगर उनकी चमक बनावटी है। उनमें कोई सुगंध नहीं हैं। आंखों के करीब आने उसे लाने पर जलन सी महसूस होती है। केमिकल से पकाये गए इन आमों को खाकर जाने अंजाने में लोग बीमारी के करीब जा रहे हैं। दरअसल, कई व्यापारी कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायनों की मदद से आमों को कुदरत के तय किए गए समय से पहले पका देते हैं। मगर ये फल अंदर से कच्चे और जहरीले रहते हैं। कई पीढ़ियों से आम के बाग का काम करने वाले गणेश पाल कहते हैं कि कार्बाइड से पकाये गए आम मुनाफा भले ही ज्यादा दे देते हैं लेकिन यह लोगों को बीमार बना सकता है। उन्होंने बताया कि केमिकल से तैयार आम का रंग एक समान चमकीला पीला होता है। एक सवाल के जवाब में वे बताते हैं कि सतह पर काले धब्बे या सफेद पाउडर का परत दिखती रहती है। वहीं, प्राकृतिक रूप

से पके आम में हरा-पीला रंग का मिश्रण होता है। उसकी खुशबू ही उसकी गुणवत्ता बता देती है।

केले और पपीते के साथ भी केमिकल का 'खेल'-गणेश केले के बारहमासी व्यापार के बारे में भी बताते हैं कि बाजार में जगह-जगह मिल रहे केले भी केमिकल की मदद से तैयार किये जाते हैं। गोदामों में किसी फैक्ट्री की तर्ज पर कच्चे केले को पकाकर पीला करने का काम किया जाता है। यह केले मात्र 24 से 36 घंटे के अंदर पक जाते हैं। वे बाजार में हाथों हाथ खरीदे जाते हैं। मगर इन केलों की परख होती है रेफ्रीजरेटर में रखने पर। ऐसे केले फ्रीज में रखने के बाद एक ही रात में काले पड़ जाते हैं। वहीं, पपीता का फल भी कार्बाइड की मदद से समय से पहले पकाकर बाजार में बड़ी संख्या में बेचा जाता है। लोग अंजाने में लीवर की सुरक्षा के लिए खाये जाने वाले पपीते से ही लीवर को बीमार कर रहे हैं।

व्यापारी गणेश बताते हैं कि कच्चे आमों को कैल्शियम कार्बाइड के छोटे टुकड़ों के बीच बंद करके रखा जाता है। नमी के संपर्क में आते ही यह तेज रसायन एसिटिलीन गैस छोड़ता है, जो फलों को तेजी से पकाने का काम करता है।

प्राकृतिक रूप से पके आम पानी में डूब जाते हैं। केमिकल वाले अक्सर तैरते रहते हैं। कागज पर रगड़ने पर काला दाग बने तो वह आम नकली है। आंखों के सामने लाने पर अगर काले दानों से सड़े, जले हुए या रसायन की गंध आए तो उसे न खाएं। चावल के दानों से रगड़ने पर अगर काले निशान पड़ जाएं तो कार्बाइड से पके होने की पुष्टि हो जाती है। वहीं, ऐसे फलों को खाने से होने वाले नुकसान के बारे में डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव बताते हैं कि केमिकल से तैयार किये गए आम खाने से लिवर और किडनी को नुकसान हो सकता है। डॉ. के अनुसार, पेटदर्द, उल्टी और त्वचा में जलन हो सकती है। लंबे समय तक खाने से लीवर, किडनी पर बुरा असर पड़ता है और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। पहले तो प्रयास करें कि ऐसे आम से दूर रहेंगे। यदि खरीदने का मन हो चुका है तो विश्वसनीय दुकान से ही खरीदें। फल को बेकिंग सोडा मिले पानी में 10 से 15 मिनट तक भिगोकर रखने के बाद खाएं।

दिल्ली पुलिस की 857 पीसीआर वैन पर लगेंगे डैशकैम, पुलिसकर्मियों को मिलेंगे बॉडीकैम

नई दिल्ली, एजेंसी। अब दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन अपराध स्थल पर पहुंचते ही हर

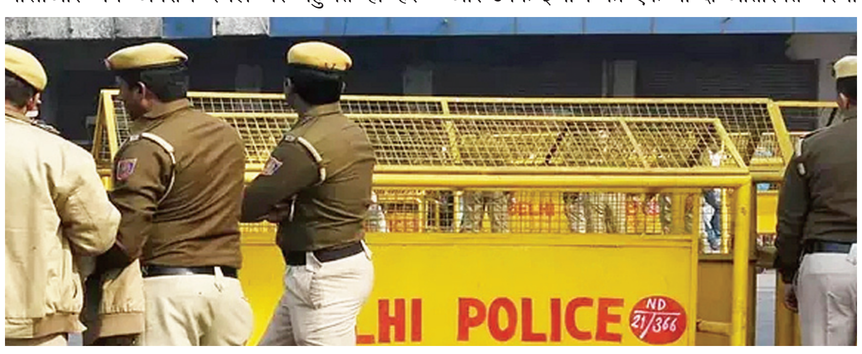

घटना को रिकॉर्ड करने लगेंगी। दिल्ली पुलिस के कंट्रोल रूम (पीसीआर) यूनिट ने बड़ा फैसला लेते हुए सभी 857 पीसीआर वैन पर डैशकैम लगाने और हर वैन इंचार्ज को यूनिफॉर्म पर बॉडी वॉर्न कैमरा देना तय किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य अपराध स्थल पर सबूतों की कमी को पूरा करना, जांच प्रक्रिया को तेज करना और पुलिसकर्मियों को झूठे आरोपों से बचाना है। पहले चरण में 300 डैशकैम और 300 बॉडीकैम की खरीद का प्रस्ताव प्रावधान एवं लॉजिस्टिक्स डिवीजन को भेज दिया गया है। यह पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू होगा। बाकी बचे 557 वैन और उनके इंचार्ज को एक या दो अतिरिक्त चरणों में कैमरों से लैस किया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। पीसीआर वैन आपातकालीन कॉल मिलते ही सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचती हैं। जांच अधिकारी (आईओ) और फॉरेंसिक टीम उनसे 10 से 15 मिनट बाद पहुंचती हैं। इस देरी में कई बार सबूत नष्ट हो जाते हैं या घटनास्थल से छेड़छाड़ हो जाती है। डैशकैम घटनास्थल की पूरी तस्वीर कैद करेंगे, जबकि बॉडीकैम रियल-टाइम बातचीत और इंटरैक्शन रिकॉर्ड करेंगे। इससे सुबूतों को सुरक्षित रखने में काफी मदद मिल सकेगी।

मां बार-बार पूछती रहीं, मेरा लाल आ गया क्या? जवान बेटे की मौत से सदमे में परिवार; अधिकारी बनना चाहता था कपिल

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ही परिवार के आंगन में बुधवार को ऐसा मर्मांतक दृश्य था, जिसे देखकर हर आंख नम हो गई। 18 सदस्यों के संयुक्त परिवार के मुखिया रतन लाल शर्मा के सामने उनके पोते कपिल की अर्थी उठी तो घर में कोहराम मच गया। आठ पोते-पोतियों में चौथे नंबर के कपिल की असमय मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मां बेसुध होकर बार-बार यही पूछती रहीं मेरा कपिल आ गया क्या? वह तो हरिद्वार दर्शन करने गया था... नांगलोई निवासी कपिल पराशर ने हाल ही में बहादुरगढ़ स्थित पीडीएम यूनिवर्सिटी से बीटेक (आईटी) की पढ़ाई पूरी की थी। वह पुलिस सेवा में अधिकारी बनने का सपना देख रहे थे और इसी की तैयारी में जुटे थे। परिवार के अनुसार, कपिल राज्य व केंद्रीय पुलिस सेवाओं के लिए प्रवेश परीक्षाओं की पूरे समर्पण के साथ अपनी तैयारी भी शुरू कर दी थी। घरवालों को उम्मीद थी कि जल्द ही वह वर्दी पहनकर परिवार का नाम रोशन करेगा, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे कपिल ने अपनी मां से बात की थी और बताया था कि वह हरिद्वार जा रहा है, नीलकंठ में माथा टेककर नौकरी के लिए प्रार्थना करेगा। मां से कहा था कि दर्शन के बाद वह वापस आस पास घूमते हुए लौट आएगा। यह उनकी कपिल से आखिरी बातचीत साबित हुई। कपिल के चाचा योगेश कुमार ने बताया कि मंगलवार रात करीब 11:45 बजे बागपत पुलिस से हादसे की सूचना मिली, जिसके बाद से ही घर में मातम छा गया।

शाम को घर पहुंचा कपिल का शव: कपिल के पिता राजेश पराशर की तबीयत खराब होने के कारण उन्हें तुरंत यह खबर नहीं दी गई। कपिल के चाचा योगेश कुमार और अन्य परिजन रात में ही बागपत के लिए निकल गए। बागपत में पोस्टमॉर्टम के बाद बुधवार शाम जब कपिल का शव घर पहुंचा, तब पिता राजेश पराशत को इस दुखद घटना की जानकारी दी गई, क्योंकि अंतिम संस्कार उनके हाथों ही होना था। किसी प्रकार उनसे सभी कर्म कराए गए। इसके बाद से ही उनकी स्थिति और खराब हो गई है। इधर मां अपने जवान बेटे की आकास्मिक मौत को स्वीकार ही नहीं करना चाह रही है। गौरतलब हो कि मंगलवार रात कपिल अपने दोस्त प्रयागराज कौशिक के साथ कार से देहरादून जा रहा था।

दिल्ली: साकेत में वरिष्ठ नागरिक चलाएंगे 'अतिक्रमण हटाओ' अभियान, फुटपाथ खाली कराने की मांग

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। साकेत में वरिष्ठ नागरिक 'फुटपाथ हमारा है, अतिक्रमण हटाओ-राहत दिलाओ' अभियान चलाएंगे। इलाके में फुटपाथ पर अतिक्रमण और सड़कों पर जाम से होने वाली वाली परेशानियों को देखते हुए यह योजना बनाई गई है। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के तहत यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें बुजुर्ग जल्द संबंधित विभागों व अधिकारियों से मिलकर मांगपत्र सौंपेंगे। दरअसल, साकेत में अतिक्रमण, जाम और अवैध पार्किंग से स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। मुख्य सड़कों पर दिनभर जाम के हालात बने रहते हैं। फुटपाथ पर भी अतिक्रमण के चलते लोगों को मजबूरन सड़कों पर चलना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को होती है। एसोसिएशन के

पदाधिकारियों के कहना है कि हमेशा दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। कई बार बुजुर्ग चोटिल भी हुए हैं। ऐसे में समस्या से निजात दिलाने के लिए फुटपाथ खाली कराने और अवैध पार्किंग हटाने की मांग उठाई जाएगी। क्षेत्रीय लोग पहले भी कर चुके हैं विरोध एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राकेश डबास बताते हैं कि फुटपाथ को खाली कराने के लिए हम लोग लंबे समय से मांग उठा रहे हैं। इसे लेकर नगर निगम के कमिश्नर, मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के मुख्य सचिव को भी पत्र भेजा जा चुका है। किसी की तरफ से कुछ नहीं किया जा रहा है। अब हम लोग अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से मिलेंगे और समस्या को रखेंगे। समय मांगा गया है। फुटपाथ लोगों की सहूलियत के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन हम लोग इसका इस्तेमाल ही नहीं कर पा रहे हैं। इसे लेकर कई शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं हुआ है। हम लोग अब अभियान चलाकर विभागों पर दबाव बनाएंगे। व्यक्तिगत तौर पर मिलने के अलावा ईमेल और पत्राचार से भी अतिक्रमण हटाने को मांग उठाई जाएगी।

दिल्ली सरकार का बड़ा कदम: सरकारी वाहनों के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र अनिवार्य, 10 अप्रैल तक नवीनीकरण का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्रों के बगैर दिल्ली में चलने वाले सरकारी वाहन के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है। दिल्ली सरकार ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर बताया है कि बगैर पीयूसी प्रमाणपत्र के सरकारी वाहनों को न चलाने के संबंध में सभी विभागों को आदेश जारी किया गया है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट में कहा है कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम-1989 के नियम 115 के प्रविधानों के अनुसार प्रत्येक मोटर वाहन के लिए वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र रखना अनिवार्य है और दिल्ली सरकार के अधीन सभी विभाग/कार्यालय को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सरकारी उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले सभी वाहनों, चाहे वे सरकारी स्वामित्व वाले हों या किराए पर लिए गए हों, सभी के पास हर समय पीयूसी प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सात अप्रैल को जारी आदेश में वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना किसी भी वाहन को आधिकारिक कार्य के लिए तैनात नहीं करने का आदेश दिया गया है। यह भी कहा गया है कि सभी विभागों को पीयूसी प्रमाणपत्रों का समय पर नवीनीकरण सुनिश्चित करना होगा और इस संबंध में आवश्यक रिकॉर्ड भी मेनटेन करना होगा। आदेश में कहा गया है कि 10 अप्रैल 2026 तक ऐसे सभी वाहनों के लिए वैध पीयूसी प्रमाणपत्र प्राप्त करने या नवीनीकरण करने का आदेश दिया गया है। दिल्ली सरकार ने उक्त रिपोर्ट आवेदनकर्ता जितेंद्र महाजन के आवेदन पर एनजीटी के पूर्व आदेश पर दाखिल की है।

कलेक्टर ने की जिले में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा

विकास एवं निर्माण कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण विभागों की बैठक आयोजित कर जिले में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को जिले में चल रहे सभी निर्माण एवं विकास कार्यों में तेजी लाते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने मैदानी अमले को लक्ष्य देकर उसके अनुरूप कार्य को पूर्ण कराए। इसके साथ ही सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी संबंधित अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कार्यो की मॉनिटरिंग करें और कार्यों को जल्द से जल्द से पूर्ण कराएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी कार्य के लिए उतनी ही समय सीमा बताई जाए जितने समय मे वह कार्य पूर्ण हो सके।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आवागमन को सुगम बनाए रखने के लिए लोक निर्माण विभाग को सभी सड़कों एवं पुलों के निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिक्रमण के कारण यदि कही सड़क निर्माण कार्य में दिक्कत आती है, तो वहां त्वरित कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण को हटाया जाए और निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को किसी तरह की परेशानी न हो।

बैठक में विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि लोक निर्माण विभाग संभाग सीहोर द्वारा कुल 67 कार्य पूर्ण किए गए हैं तथा 51 प्रगतिरत है। इसी प्रकार ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सीहोर द्वारा 38 कार्य पूर्ण किए गए हैं तथा 36 प्रगतिरत हैं। लोक निर्माण विभाग भवन संभाग सीहोर द्वारा 17 कार्य पूर्ण एवं 23 प्रगतिरत हैं। जिला शिक्षा केंद्र सीहोर के अंतर्गत 104 कार्य प्रगतिरत हैं। इसके अलावा अन्य विभागों जैसे जल संसाधन, सेतु निर्माण, म.प्र. सड़क विकास निगम, पर्यटन विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग में भी विभिन्न स्तरों पर कार्य प्रगति पर हैं।

बैठक में लोक निमार्ण विभाग, जल संसाधन, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम, शिक्षा विभाग, सेतु निर्माण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जहां गौशाला नहीं, वहां कांजी हाउस जैसी व्यवस्था लागू करें : कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिले में पशुओं के प्रबंधन को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में गौशाला संचालित नहीं है, वहां कांजी हाउस की तर्ज पर आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल क्रियान्वित की जाएं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पशुधन के समुचित संरक्षण और सड़कों पर आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए यह व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे ग्रामों की पहचान कर शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत भैरूंदा में की गई कुंए की सफाई

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अनेक जल संरक्षण संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत भैरूंदा नगर परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 03 में कुएं की साफ सफाई का कार्य किया गया। इसी प्रकार कचरा गाड़ी के माध्यम से वार्ड क्रमांक 13,14 और 04 में जिंगल बजाकर जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत ग्राम खड़ीहाट में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को एफटीके से पेयजल संरक्षण तथा पंप ऑपरेटर्स को नल जल योजना संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम संग्रामपुर के शासकीय हाईस्कूल में बच्चों को जल एवं प्रकृति संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इसी प्रकार भैरूंदा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जल संरक्षण पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने पोस्टर बनाकर नागरिकों को जल एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

भैरूंदा में वैक्सीन लगवाने वाली बालिकाओं को प्रदान की गईं नोटबुक

सीहोर (निप्र)। भैरूंदा के शासकीय संदीपनी स्कूल में एचपीवी का टीका लगवाने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पुस्तक मेले से दो-दो नोटबुक वितरित की गई। इसके साथ ही स्कूल द्वारा बालिकाओं को शीतल पेय(लस्सी) भी पिलवाई गई। पुस्तक मेले में आई अन्य बालिकाओं और उनके अभिभावकों को भी एचपीवी का टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया गया।

आष्टा में दरबार रेस्टोरेंट से 02 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने और घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग एवं अनियमितताओं को रोकने के लिए आष्टा में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री मृगी अग्रवाल द्वारा आष्टा के विभिन्न होटलों, रेस्टोरेंट एवं गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडी रोड़ स्थित दरबार रेस्टोरेंट पर घरेलू गैस सिलेंडर का दुरुपयोग पाए जाने पर रेस्टोरेंट से 02 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

जल गंगा संवर्धन अभियान : बांसपानी में नलजल योजना का किया शुभारंभ

बैतूल (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मंगलवार को बैतूल विकासखंड के ग्राम बांसपानी में जल जीवन मिशन द्वारा निर्मित नवीन नलजल योजना का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास ऊइके, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह ऊइके, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे उपस्थित थे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास ऊइके ने ग्रामीणों को जल का सदुपयोग करने और जल स्त्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यपालन यंत्री के निर्देशन में ग्रामीणों को पेयजल की गुणवत्ता, जल संरक्षण के महत्व तथा नलजल योजना के उचित संधारण एवं संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला एवं जनपद सदस्य, ग्राम सरपंच, विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं विकासखंड समन्वयक, अन्य अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

बरखेड़ी गंभीर में खेत में आग की घटना, विद्युत लाइन से आग लगने की आशंका खारिज

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के ग्राम बरखेड़ी गंभीर में कृषक बृजेन्द्र सिंह के खेत में आग लगने की घटना को लेकर विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह आग विद्युत लाइन से नहीं लगी है। मामले में प्रबंधक, विदिशा (ग्रामीण) उपसंभाग द्वारा मौके का निरीक्षण कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित खेत के पास से गुजर रही 11 के.व्ही. झिरनिया पंप फीडर लाइन का तार टूटा हुआ पाया गया था, जिसके आधार पर प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह विद्युत लाइन को माना जा रहा था। हालांकि विभागीय जांच में यह संभावना खारिज कर दी गई है। प्रतिवेदन के अनुसार, 5 और 6 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात लगभग 1.18 बजे फीडर को चालू करते समय तकनीकी खराबी (ट्रिपिंग) आने पर उसे तत्काल बंद कर दिया गया था। इसके बाद सुबह करीब पांच बजे तक उक्त फीडर पूरी तरह बंद रहा और उसमें किसी प्रकार की विद्युत आपूर्ति नहीं की गई। इसी दौरान सुबह लगभग पांच बजे आग लगने की घटना सामने आई। चूंकि उस समय फीडर में बिजली प्रवाहित नहीं हो रही थी, इसलिए विद्युत लाइन से आग लगने की संभावना नहीं पाई गई। जांच में यह भी सामने आया कि जिस खेत में आग लगी, वहां की फसल पहले ही काटी जा चुकी थी और खेत में नरवाई (फसल अवशेष) मौजूद थी।

पीएम आवास योजना के तहत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूरा करवाया जाना सुनिश्चित करें सभी सीएमओ: कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए प्रत्येक घटकों के लिए अतिरिक्त प्रयास करें सभी निकाय कलेक्टर

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने नगरीय निकायों की समीक्षा करते हुए उपस्थित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पीएम आवास योजना 1.0 एवं 2.0, स्वच्छता सर्वेक्षण, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आवारा श्वानों के प्रबंधन के लिए जारी दिशा निर्देशों के पालन तथा समस्त नगरीय निकायों में ईऑफिस के माध्यम से फाइलों के परिचालन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर एवं पीओ डूडा श्री देवेंद्र सिंह सहित समस्त सीएमओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के तहत अपूर्ण आवास शीघ्र पूर्ण किए जाएं : कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के अंतर्गत नगरीय निकायों द्वारा किए जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने योजना के तहत पूर्व में स्वीकृत आवासों की संख्यात्मक जानकारी, पूर्ण एवं अपूर्ण आवासों की स्थिति तथा अपूर्णता के कारणों सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिन आवासों की राशि हितग्राहियों को हस्तांतरित की जा चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है, ऐसे मामलों में संबंधित हितग्राहियों को नोटिस जारी कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी सीएमओ को निर्देशित किया कि योजना के प्रत्येक बिंदु पर गंभीरता से कार्य करते हुए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। साथ ही 30 जून की समय-सीमा निर्धारित कर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्लिंथ स्तर, छत स्तर, अपूर्ण, आरआरसी तथा अप्रारंभ आवासों की पृथक-पृथक जानकारी तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों (सीएमओ) को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर करते हुए अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने आरआरसी से संबंधित सभी प्रकरणों में राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही पीएम आवास योजना 2.0 के तहत भी पट्टा वितरण की कार्यवाही ने गति लाई जाए एवं प्राप्त आवेदनों के विरुद्ध पात्र आवेदनों को अगले स्तर पर प्रेषित करें एवं जियो टैगिंग के लिए लंबित आवेदनों में भी शीघ्र ही जियो टैग किया जाना सुनिश्चित करें।

स्वच्छता सर्वेक्षण में सभी निकाय टॉप 10 में स्थान बनाने पर करें फोकस : कलेक्टर द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत नगरीय निकायों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए समस्त मुख्य नगरपालिका अधिकारियों (सीएमओ) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि एमआईएस पोर्टल पर की गई प्रविष्टियों की जानकारी सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि कार्यों की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन किया जा सके। कलेक्टर ने 'सुपर 75' के अंतर्गत चिन्हित निकायों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे टॉप 10 में स्थान सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक निर्धारित घटक में अतिरिक्त प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सभी सीएमओ प्रत्येक बिंदु का गहन परीक्षण कर कमियों को दूर करें और बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए नगरीय निकायों को आवश्यक सहयोग एवं संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इस हेतु परियोजना अधिकारी डूडा द्वारा हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

आवारा श्वानों के प्रबंधन के लिए की जा रही कार्यवाही में गति लाएं सभी सीएमओ

कलेक्टर ने आवारा श्वानों के प्रबंधन की मानक संचालन प्रक्रिया के तहत नगरीय निकायों द्वारा की जा रही कार्यवाही की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जिन निकायों में आवारा श्वान प्रबंधन हेतु टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, वहां शेल्टर होम में स्टेरलाइजेशन, वैक्सीनेशन सहित सभी निर्धारित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि शेल्टर होम पर तैनात किए जाने वाले चौकीदारों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। साथ ही प्रत्येक निकाय में एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर शेल्टर होम का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी नगरीय निकाय अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों का चिन्हांकन करें, जहां आवारा श्वानों की समस्या अधिक है, ताकि वहां विशेष ध्यान दिया जा सके। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन निकायों में अभी तक टेंडर प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, वे शीघ्रता से इस प्रक्रिया को पूरा करें।

बेल नदी उद्गम पर 'जल स्रोत सेवा समागम', जल संरक्षण का दिया संदेश

बैतूल (निप्र)। बेल नदी के उद्गम स्थल बेलमंडई (पंखा) सरोवर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत 'जल स्रोत सेवा समागम' कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, बैतूल द्वारा किया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उद्गम स्थल का पूजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) श्री मोहन नागर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने उद्गम स्थल पर श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया तथा जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

यह आयोजन नवांकुर संस्था, माँ रेणुका पर्यावरण विकास समिति (बोरी खुर्द), अभिनव समाज कल्याण संगठन, तरुण शक्ति समिति एवं डॉ. जगन्नाथ यदुवंशी आरोग्य वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नदी अनुभूति, उद्गम क्षेत्र की साफ-सफाई, नागदेव पूजन, बरगद, पीपल एवं बेल जैसे पवित्र वृक्षों का पूजन, मानव श्रृंखला निर्माण एवं श्रमदान जैसी गतिविधियों के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश दिया गया। साथ ही जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ भी किया गया। जल चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री नागर ने कहा कि नदियों की स्वच्छता और सतत प्रवाह धरती के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत

आवश्यक है। जिस प्रकार शरीर में रक्त की शुद्धता आवश्यक होती है, उसी प्रकार नदियों का स्वच्छ और अविरल रहना जरूरी है। उन्होंने जल संरक्षण के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्थानीय समुदाय की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक प्रिया चौधरी ने जल और प्रकृति के बीच संबंध को स्पष्ट करते हुए जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर नरेन्द्र गडेकर, लखन यादव, दिलीप माथनकर, धर्मेंद्र गोचरे, जोहरी वाडीवा, संजय माथनकर, श्रीमती रामवती भलावी (सरपंच), दीप सिंह सिसोदिया, बबीता सोलंकी (रोजगार सहायक), ज्योति नागले, भीमराव माथनकर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक अरविंद माथनकर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही। इस आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं सामूहिक सहभागिता का प्रभावी संदेश दिया गया।

अपर कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में रबी उपार्जन कार्य को सुचारू एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर द्वारा विभिन्न उपार्जन केन्द्रों एवं गोदामों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने चना एवं मसूर उपार्जन के लिए संचालित पठारी केन्द्र का जायजा लेते हुए वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने संबंधित सोसाइटी प्रबंधकों को निर्देशित किया कि किसानों से उपार्जन की प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। तौल, परिवहन, भंडारण एवं भुगतान से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर पारदर्शिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री डामोर ने तारा गोदाम एवं एमएसडी गोदाम भादरबाड़ा का भी निरीक्षण किया। यहां भंडारित उपज की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं रिकॉर्ड संधारण की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोदामों में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त अन्नुपूर्णा वेयरहाउस चक्रपटनी एवं राधाकृष्णन वेयरहाउस का निरीक्षण करते हुए उन्होंने भंडारण क्षमता, स्टैकिंग व्यवस्था एवं निगरानी प्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित प्रबंधकों को निर्देशित किया कि सभी मानकों का पालन करते हुए उपज का सुरक्षित भंडारण किया जाए, ताकि किसी प्रकार की क्षति न हो। अपर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को समय पर भुगतान एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को तत्काल सुधारने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय समेत अन्य विभागों के जिला व खंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस" पर विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में मंगलवार को ''विश्व स्वास्थ्य दिवस'' के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री संजीवनी पॉली क्लिनिक, दूध डेयरी हरदा एवं वार्ड क्रं. 11 आंगनवाड़ी केन्द्र क्रं. 21 में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे ने उपस्थित जनों को बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आयोजित यह दिवस दुनिया भर के लोगों को प्रभावित करने वाली प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान पर केंद्रित है। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य बीमारियों की रोकथाम, संतुलित जीवनशैली और सभी के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

श्री दुबे ने बताया कि वर्तमान दौर में बदलती जीवनशैली के कारण बढ़ रहे मधुमेह, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसे मुद्दों पर भी इस वर्ष विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आम जनता से अपील की गई है कि वे नियमित व्यायाम, पोषक आहार और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित स्वास्थ्य सलाहों को अपनाकर एक स्वस्थ भविष्य के निर्माण में योगदान दें।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के द्वारा थाना कोतवाली विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 12/2026 की विभिन्न धाराओ के फरार आरोपियों किसन पुत्र दिलीप पारदी और कालू शिवा पुत्र वाला पारदी निवासी हड्डी मील गुना, राजवीर पुत्र महेन्द्र पारदी निवासी ग्राम बीलाखेडी थाना धरनावदा जिला गुना ग्राम गढला गिर्द थाना बजरंगगढ जिला गुना, करण पुत्र राजमल पारदी, अभिषेक पुत्र विनोद पारदी, रामसिंह पुत्र गजराज पारदी, धनराज पुत्र नाथूराम पारदी एवं भगत पुत्र रूस्तम पारदी सर्व निवासीगण ग्राम बीलाखेडी थाना धरनावदा जिला गुना की सूचना देने वालो को क्रमशः 1250-1250 रूपए (प्रत्येक पर) की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है।

शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई, बैतूल में हार्टफुलनेस ध्यान प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बैतूल (निप्र)। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, बैतूल में हार्टफुलनेस संस्था के तत्वावधान में समस्त स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थियों के लिए तीन दिवसीय ध्यान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर श्री कमलेश डी. पटेल (दाजी) के मार्गदर्शन में संचालित संस्था की गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हार्टफुलनेस ध्यान प्रशिक्षक श्री विनोद कुमार जेठवा उपस्थित रहे। साथ ही हार्टफुलनेस संस्था से श्री कमल अग्रवाल एवं श्री राजेंद्र सिंह परिहार विशेष रूप से उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दौरान श्री कमल अग्रवाल ने हार्टफुलनेस संस्था का परिचय देते हुए कहा कि 'हार्टफुलनेस एक सरल एवं प्रभावी ध्यान पद्धति है, जो जीवन में शांति, संतुलन और

सकारात्मकता लाने का सशक्त माध्यम है।' वहीं श्री राजेंद्र सिंह परिहार ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि ध्यान के नियमित अभ्यास से उन्हें स्वास्थ्य लाभप्राप्त हुआ तथा जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आए। मुख्य अतिथि श्री विनोद कुमार जेठवा ने अपने उद्बोधन में ध्यान के गूढ़ महत्व को समझाते हुए बताया कि हार्टफुलनेस ध्यान का लक्ष्य हृदय के माध्यम से उच्चतर 'स्व' या स्रोत से मिलन है, और यही योग का वास्तविक अर्थ एवं उद्देश्य है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि केवल समान धर्मी के साथ एकत्व प्राप्त करने के लिए मनुष्य को पहले स्वयं को उस स्रोत के अनुरूप बनाना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने तीन दिवसीय प्रशिक्षण में दी जाने वाली ध्यान की सरल एवं प्रभावी विधियों की जानकारी भी दी।

संस्था की ओर से श्री रेवाशंकर पंडाग्रे ने बताया कि 'हार्टफुलनेस संस्था के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को न केवल ध्यान का प्रशिक्षण मिल रहा है, बल्कि उनके व्यक्तित्व, अनुशासन एवं मानसिक संतुलन में भी सकारात्मक विकास हो रहा है। यह पहल विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है।' संस्था के प्राचार्य श्री अजीश पंद्रे ने हार्टफुलनेस संस्था का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि हार्टफुलनेस संस्था के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत फ्लोरीकल्चर ट्रेड की प्रशिक्षणार्थियों को ऑन जॉब ट्रेनिंग प्रदान की गई तथा इसके पश्चात हैदराबाद स्थित कान्हा शांतिवनम में रोजगार प्राप्त होने से संस्था को विशेष ख्याति मिली है। इस अवसर पर श्री रेवाशंकर पंडाये, श्रीमती पुष्पा नागले, श्रीमती विनीता पाटिल, श्री रामनारायण गंगारे, श्री महेश चौधरी, श्री दिलीप बेले, श्री सोमू मराठा, कु. तारिणी यादव, कु. सुषमा साहू एवं श्रीमती शारदा साहू श्रीमती भारती यादव सहित संस्था के समस्त स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्टाफ के मानसिक, शारीरिक एवं आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देना रहा, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

संपादकीय

सिर्फ खिलाड़ियों की चूक या तंत्र की लापरवाही? डोपिंग में नंबर-1 होने का सच

डोपिंग नियमों के उल्लंघन की वजह से निलंबित किए गए खिलाड़ियों की सूची में भारत अब कीनिया को पीछे छोड़ कर शीर्ष पर पहुंच गया है।इसमें कोई दोराय नहीं कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने दमखम के बूते देश की प्रतिष्ठा को नया मुकाम दिया है। ऐसे कई खेल हैं, जिनमें अब तक सिर्फ अमेरिका, रूस, चीन आदि विकसित देशों की तूती बोलती रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से भारत के खिलाड़ियों ने अपनी धमक से वर्चस्व की स्थिरता को तोड़ा है और अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज की है। विडंबना यह है कि क्रमश~मजबूत होती मौजूदगी के बरक्स ऐसे मामले भी तेजी से बढ़ते पाए जाने लगे हैं, जिनमें हमारे खिलाड़ियों ने किसी ऐसी दवा या मादक पदार्थ का सेवन किया, जो डोपिंग से संबंधित नियमों के खिलाफ है। यही वजह है कि डोपिंग मामलों की जांच करने वाली संस्थाओं की नजर में भारत के खिलाड़ी अब विशेष रूप से निगरानी के दायरे में हैं।गौरतलब है कि डोपिंग नियमों के उल्लंघन की वजह से निलंबित किए गए खिलाड़ियों की सूची में भारत अब कीनिया को पीछे छोड़ कर शीर्ष पर पहुंच गया है। भारत के ट्रैक एंड फील्ड के एक सौ अड़तालीस एथलीट और उनके सहयोगी कर्मचारी डोपिंग मामलों की वजह से निलंबित हैं।सवाल है कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन कराने वाला समूचा तंत्र और खेल प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के कामकाज की वह कौन-सी शैली है कि डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों के निलंबन के मामले में देश सबसे ऊपर पहुंच गया। करीब चार महीने पहले भी निगरानी संस्था वैश्विक डोपिंग-रोधी एजंसी ने अपने आकलन में वर्ष 2024 के आंकड़ों में भारत को लगातार तीसरे साल डोपिंग के मामलों में सबसे ऊपर पाया था।अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तमगा और उसके बाद नगद इनाम हासिल करने या फिर भविष्य में अपनी जगह सुनिश्चित करने की मंशा से कुछ खिलाड़ी प्रतिबंधित प्रदर्शन-वर्धक दवाएं लेने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। मगर इससे उनकी सेहत और करिअर पर कितना और क्या विपरीत असर पड़ता है, इसके बारे में उन्हें शिक्षित और जागरूक किए जाने की जरूरत है।हैरानी की बात यह है कि बीते कई वर्षों से यह समस्या कायम रहने के बावजूद इसमें सुधार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, जिससे डोपिंग के नियमों के उल्लंघन पर काबू पाया जा सके।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, कई महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल नहीं मिल पाती। बिहार में लगभग अठारह फीसद महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोई चिकित्सा देखभाल नहीं ली। राजस्थान की तस्वीर और ज्यादा जटिल है। टीकाकरण में सुधार हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। तीस वर्ष से अधिक आयु के लगभग बीस फीसद लोग मधुमेह या उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम लोग नियमित उपचार कराते हैं। झारखंड और मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में पारंपरिक मान्यताओं तथा आधुनिक चिकित्सा के बीच दूरी अब भी बनी हुई है। कई बार लोग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं पहुंचते और स्थानीय उपचारों पर निर्भर रहते हैं ।

हाशिये पर स्वास्थ्य, जागरूकता का सवाल, एआई कैसे बनेगा 'स्मार्ट गाइड'?

(मनीष जैसवाल)

सवाल यह है कि क्या एआइ स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर सकता है, खासकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां जानकारी की सबसे ज्यादा कमी है? हाल के वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन जब हम पिछड़े जिलों में स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता पर नजर डालते हैं, तो एक अलग ही सच्चाई सामने आती है। अस्पतालों की कमी के साथ स्वास्थ्य संबंधी सामाजिक जागरूकता की कमी, संसाधनों की असमानता और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन की विफलता साफ दिखती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े मुद्दे केवल चिकित्सा सुविधाओं की कमी से नहीं, बल्कि जागरूकता के अभाव से भी गहराई से जुड़े हैं।

यह सर्वेक्षण देश के सात सौ से अधिक जिलों के आंकड़े उपलब्ध कराता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य को लेकर असमानता केवल राज्यों के बीच ही नहीं, बल्कि जिलों के भीतर भी मौजूद है। यदि हम बिहार जैसे राज्य को देखें, तो स्थिति बेहद चिंताजनक है। यहां लगभग 84 फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच सीमित है। लगभग 39 फीसद परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं है, जिससे खुले में शौच जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, जो सीधे तौर पर संक्रमण से जुड़ी हैं।

यही नहीं, बच्चों में कुपोषण की स्थिति भी गंभीर है, लगभग 43 फीसद बच्चे बौने हैं। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि पोषण संबंधी जागरूकता की कमी को भी दर्शाता है। बिहार के सीमांचल (कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया) या झारखंड के गुमला और सिमडेगा जैसे जिलों में एक समान व्यवहार दिखता है, लोग बीमारी को तब तक गंभीर नहीं मानते, जब तक वह असहनीय न हो जाए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सोनभद्र, चित्रकूट, बांदा, अलीराजपुर और मंडला जैसे जिलों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति भी आज चिंता का विषय है।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, कई महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल नहीं मिल पाती। बिहार में लगभग अठारह फीसद महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोई चिकित्सा देखभाल नहीं ली। राजस्थान की तस्वीर और ज्यादा जटिल है। टीकाकरण में सुधार हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। तीस वर्ष से अधिक आयु के लगभग बीस फीसद लोग मधुमेह या उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम लोग नियमित उपचार कराते हैं।

झारखंड और मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में पारंपरिक मान्यताओं तथा आधुनिक चिकित्सा के बीच दूरी अब भी बनी हुई है। कई बार लोग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं पहुंचते और स्थानीय उपचारों पर निर्भर रहते हैं, जिससे तपेदिक, मलेरिया और खून की कमी जैसी बीमारियां लंबे समय तक छिपी रहती हैं। देश में यह संकट दोतरफा रूप में सामने आता है- एक ओर कुपोषण, दूसरी ओर नई जीवनशैली से होने वाली बीमारियां। यदि वैश्विक तुलना करें, तो जापान, फिनलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में लोग नियमित जांच, संतुलित आहार और निवारक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं। इसके विपरीत भारत में स्वास्थ्य को अक्सर अंतिम प्राथमिकता दी जाती है।

आज के परिदृश्य में इस संदर्भ में एक नया आयाम जुड़ रहा है, वह है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता। सवाल यह है कि क्या एआइ स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर सकता है, खासकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां जानकारी की सबसे ज्यादा कमी है? ग्रामीण भारत में एआइ का सबसे बड़ा उपयोग जानकारी पहुंचाने में हो सकता है। आज भी कई गांवों में लोग बीमारी के लक्षणों को सही समय पर नहीं पहचान पाते। यदि मोबाइल आधारित एआइ उपकरण स्थानीय भाषा में सरल तरीके से यह समझाएं कि कब डाक्टर के पास

जाना जरूरी है, कौन से लक्षण खतरनाक हैं और कौन-सी सावधानियां अपनानी चाहिए, तो यह एक बड़ा बदलाव ला सकता है।

एआइ का उपयोग आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सेविकाओं के प्रशिक्षण में भी किया जा सकता है। यदि उन्हें मोबाइल पर ऐसे एआइ उपकरण मिलें, जो तुरंत जानकारी दें, लक्षणों का प्राथमिक विश्लेषण करें और सही सलाह सुझाएं, तो वे गांव-स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता की सबसे मजबूत कड़ी बन सकती हैं। यह तकनीक डाक्टर की जगह नहीं ले सकती, लेकिन चिकित्सक और ग्रामीण समाज के बीच की दूरी जरूर कम कर सकती है। फिर भी यह याद रखना जरूरी है कि एआइ केवल एक साधन है, समाधान नहीं।

देश में स्वास्थ्य जागरूकता की चुनौती केवल अस्पताल या दवाइयों की नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार की भी है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के पिछड़े जिलों की स्थिति हमें यह सिखाती है कि स्वास्थ्य सुधार के लिए जागरूक समाज सबसे जरूरी है। आज भी देश के करोड़ों घरों में दवाइयों की पहचान उनके नाम से नहीं, बल्कि रंग और आकार से होती है। यह सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता की गहरी कमी का संकेत है। जब दवा का नाम, उसका उपयोग और उसका असर हमें पता ही नहीं, तो इलाज कैसे सही होगा? देश के ग्रामीण इलाकों में यह आम बात है कि लोग डाक्टर की सलाह के बजाय पुराने पर्चे या दूसरों के अनुभव के आधार पर दवा ले लेते हैं। कई बार एक ही दवा अलग-अलग बीमारी में खा ली जाती है, क्योंकि उसकी पहचान केवल रंग या आकार से जुड़ी होती है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य जागरूकता का सबसे बड़ा संकट 'जानकारी का अभाव' है। कई बार लोग यह तक नहीं समझ पाते कि कौन-सा लक्षण सामान्य है और कौन-सा खतरनाक। आज भी कई गांवों में डाक्टर तक पहुंच सीमित है, लेकिन वहां मोबाइल पहुंच चुका है। ऐसे में एआइ उस खाली जगह को भर सकता है। इसके जरिए कम से कम स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी तो लोगों तक पहुंच सकती है। अगर आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी सेविकाओं के हाथ में एआइ आधारित सरल तकनीक आ जाए, तो वे सिर्फ सूचना देने वाली नहीं, बल्कि 'स्मार्ट हेल्थ गाइड' बन सकती हैं। वे घर-घर जाकर केवल सलाह नहीं देंगी, बल्कि सही और तुरंत जानकारी के आधार पर लोगों को समझा पाएंगी। इससे भरोसा भी बढ़ेगा और लोगों का स्वास्थ्य के प्रति व्यवहार भी बदलेगा। मगर एक बात साफ है कि तकनीक तभी काम करेगी, जब वह लोगों की भाषा और उनकी जरूरत के हिसाब से ढले। वरना एआइ भी एक कागजी योजना बनकर रह जाएगी। इसलिए जरूरी है कि देश में स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर सरकारी और सामाजिक स्तर पर एकजुट होकर प्रयास किए जाएं। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

अफसरों के नाकारापन से नहीं थमेंगे नालंदा मंदिर जैसे हादसे

(योगेंद्र योगी)

कुंभ मेले, मंदिर दर्शन, सत्संग, त्योहार और रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने की होड़ जैसी घटनाएं न केवल आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि प्रबंधन की कमी के कारण अक्सर जानलेवा साबित होती रही है। साल-दर-साल मची भगदड़ में सैकड़ों निर्दोष जिंदगियां चली जाती हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

सरकारी मशीनरी के नाकारा होने के कारण देश में धार्मिक आयोजनों में भगदड़ जैसे हादसे रुक नहीं रहे हैं। हादसों ऐसी श्रृंखला में नालंदा मंदिर का हादसा भी जुड़ गया है। नालंदा के शीतला माता मंदिर में पूजा करने के दौरान भगदड़ मच गई और इसमें 9 लोगों की जान चली गई। आठ महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कई देशों के छात्रों को डिग्री व मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान दिया गया। राष्ट्रपति की यात्रा की सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। यह हालत है देश में जिम्मेदार मानी जाने वाली चुनी हुई सरकारों की। अधिकारी इस बात का आकलन ही नहीं कर सके कि इतने बड़े आयोजन में कोई हादसा भी हो सकता है। इसी भारी चूक की वजह से मंदिर स्थल पर पुलिस सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया गया। सारी फोर्स राष्ट्रपति की सुरक्षा के इंतजाम में लगा दी गई।

कुंभ मेले, मंदिर दर्शन, सत्संग, त्योहार और रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने की होड़ जैसी घटनाएं न केवल आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि प्रबंधन की कमी के कारण अक्सर जानलेवा साबित होती रही है। साल-दर-साल मची भगदड़ में सैकड़ों निर्दोष जिंदगियां चली जाती हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। ये हादसे मुख्य रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं की चूक, अपवाहें, संकरी जगहों पर अत्यधिक भीड़ और प्रशासन की लापरवाही के कारण होती हैं। देश के सरकारी तंत्र ने विगत वर्षों में हुए इस तरह के हादसों से कोई सबक नहीं सीखा। यही वजह ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति थम नहीं रही है। विगत एक दशक में ऐसा शायद ही कोई साल गया होगा, जब भगदड़ में मौतों की दर्दनाक घटनाएं सामने नहीं

आई होंगी।

3 मई 2025 को गोवा के श्री लैरे देवी मंदिर के वार्षिक मेले में पूजा-अर्चना के दौरान भगदड़ मची। इसमें छह श्रद्धालुओं की मौत हुई और लगभग 55 लोग घायल हुए। 15 फरवरी 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज कुंभ में शामिल होने के लिए ट्रेन पकड़ने की होड़ के चलते मची भगदड़ में 18 यात्रियों की जान गई। 9 जनवरी 2025 को प्रयागराज महाकुंभ के संगम क्षेत्र में भगदड़ 30 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 60 लोग घायल हुए। इसी तरह 8 जनवरी 2025 आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर में छह श्रद्धालुओं की मौत हुई।

इसी तरह 2 जुलाई 2024 उत्तर प्रदेश के हाथरस में संत भोले बाबा (नारायण साकार हरि) की सत्संग के बाद भगदड़ मची। इस घटना में कुल 121 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। यह हादसा सुरक्षा प्रबंधों की कमी के चलते हुआ। 31 मार्च 2023 मध्यप्रदेश के इंदौर में रामनवमी पर ढाई तालाब की बावड़ी की छत गिरने के दौरान भगदड़ मच गई। इस हादसे में 36 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 16 अन्य घायल हुए। भीड़-नियंत्रण में चूक यहां भी जानलेवा साबित हुई। इन हादसों के अलावा विगत वर्षों में कटरा जम्मू में वैष्णो देवी मंदिर, महाराष्ट्र के मंधर देवी, नासिक में कुंभ स्नान, आंध्र प्रदेश के राजामुंद्री, बिहार के पटना में गांधी मैदान, मध्य प्रदेश के दतिया में पुल पर अफवाह फैलने, हरिद्वार में हर-की-पौड़ी घाट पर आयोजित गायत्री महायज्ञ आयोजन, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़, जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में हिमाचल के नैना देवी में भगदड़ के दौरान सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी।

नालंदा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद अन्य हादसों की तरह वही जांच कमेटी बना दी गई। बिहार सरकार की तरफ से मृतकों के परिजनों को सांत्वना राशि की घोषणा कर दी गई। राजनीतिक दलों के नेताओं की तरफ से औपचारिकता निभानते हुए घड़ियाली आसूं बहाए गए। किन्तु एक भी जिम्मेदार अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अन्य हादसों की तरह इस हादसे में भी एक भी अफसर को जेल नहीं होगी। किसी का भी बांल बांका नहीं होगा, होगा भी तो सिर्फ दिखावे के लिए छोटे कर्मचारी अधिकारियों पर गाज घटना की गाज गिर सकती है। देश में परंपरा रही है कि बड़े अफसर हर बार बच निकलते हैं। इस लिहाज से बिहार की इस घटना इससे अलग नहीं है। सरकारों ने ना पहले हुए ऐसे हादसों से कोई सबक सीखा था ना ही बिहार हादसे से सीखेंगे। ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति देश में जारी रहेगी। ऐसे हादसों में सरकारी कुप्रबंधन की वजह से आम लोगों की मौत होती रहेगी और सरकारें तमाशबीन बनी रहेंगी।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 6057

संकेत: बाएं से दाएं

1. 18 अगस्त 1949 को इस देश ने संविधन अंगीकार किया (3)
4. लोहे को सोना बनाने वाा एक कल्पित पत्थर (3)
6. भारत की राजनीतिक पार्टी जिसे 1994 में जॉर्ज फर्नांडिस और नीतिश कुमार ने मिलकर बनाई थी (5)
8. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
10. कदम, डग, नई साड़ी के किनारे पर लगाने वाला कपड़ा (2)
11. जल देने वाला, नीरद, मेघ (3)
13. डकैती, लूट (4)
14. अभियोग, याचिका (4)
17. सूजी, कण (2)
18. मनोयोग से लगा हुआ, मशगूल, व्यस्त (2)
19. बेफिक्रा, निश्चित (2)
21. सिलवट, ऐंठ, मरोड़, शक्ति (2)
23. तनने वाला (5)
25. इस द्वीप समूह में मूंगे के लगभग 1200 छोटे-छोटे द्वीप है जिसकी राजधानी माले है (4)

ऊपर से नीचे

1. बत्तख की तरह का एक जल पक्षी जो प्राय: बड़ी-बड़ी झीलों में रहता है (2)
2. दुख, शोक, रंज, चिंता (2)
3. भारत की पहली महिला जो विश्व सुंदरी बनी (1966)(5)
4. पक्ष, राजनीतिक दल, गुट, समूह (2)
5. प्रश्न-उत्तर, जिरह (6)
7. नाव के मस्तूल से बांधा जाने वाला लंबा-चौड़ा कपड़ा, पालने वाला (2)
9. देय वस्तु, देने योग्य, दातव्य (3)
11. विष, गरल, हलाहल (3)
12. घृणा, घिन्न (4)
15. रिक्त होना, खाली होना (3)
16. हिंसक, फाड़ खाने वाला जंतु (3)
20. बांस की चटाई को यह भी कहते है (3)
22. सटापन, अटैचमेंट, लगे होने का भाव (3)
23. समाकार, समकोटीय, अनेतर, सदृश्य (2)
24. अन्य पुरूष, वो (2)

वर्ग पहेली 6056 का हल

पा	मी	र			ग	या	ना
क	ल	मी		मि		द	म
शा			स	ला	मी		
ला	ला	ला	ज	प	त	रा	य
	वा	र	ना			त	म
वा	रि		ध	र	ती		दू
	स	ह	ज		ज	ग	त
		म	ना	व	न		

ट्रंप की डेडलाइन हुई फुस्स, ईरान ने 10 पॉइंट्स पर बातचीत को किया मजबूर

मारूफ अहमद खान कई दिनों तक सख्त चेतावनियों और डेडलाइन पर डेडलाइन देने के बाद आखिरकार अमेरिका को सीज़फायर की राह पकड़नी पड़ी। बयानबाज़ी में जहां सख्ती दिखाई जा रही थी, वहीं जमीन पर हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे थे। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच यह साफ नजर आने लगा था कि टकराव लंबा खिंच सकता है और इसका असर सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

दिलचस्प यह रहा कि जिन डेडलाइन को लेकर इतना शोर था, वे खुद ही खिसकती चली गईं। पहले 48 घंटे, फिर नई चेतावनी, फिर नई समयसीमा और आखिर में वही पुराना रास्ता, बातचीत और समझौता। इससे यह सवाल उठना लाज़मी है कि यह रणनीति थी या सिर्फ बयानबाज़ी।

खबरों के मुताबिक, ईरान के 10 बिंदुओं पर बातचीत की तैयारी के बाद ही यह सीज़फायर संभव हो पाया। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मूज़ से गुजरने वाले जहाजों को लेकर नई शर्तों पर सहमति बनी है। यानी जो रास्ता पहले वैश्विक व्यापार के लिए बिना रुकावट था, वह अब शर्तों के दायरे में आ सकता है। साथ ही अपने अरब सहयोगी देशों को लेकर अमेरिका की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही है। ईरान की लगातार जवाबी रणनीति ने यह साफ कर दिया कि मुकाबला एकतरफा नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक और बात उजागर कर दी। वेनेजुएला की तरह ईरान के तेल और ऊर्जा पर नियंत्रण को लेकर जो बड़े बड़े दावे किए जा रहे थे, वे फिलहाल अधूरे ही नजर आते हैं। जमीनी हकीकत और क्षेत्रीय समीकरण ने यह दिखा दिया कि ऐसी योजनाएं उतनी आसान नहीं होतीं, जितनी मंचों से कही जाती हैं।

अब सवाल यह है कि क्या यह सीज़फायर स्थायी शांति की ओर बढ़ने का संकेत है, या सिर्फ एक अस्थायी विराम। लेकिन इतना जरूर है कि इस पूरे घटनाक्रम ने यह सिखा दिया कि हर बार ताकत ही सब कुछ तय नहीं करती। कभी कभी रणनीति, धैर्य और सही समय पर उठाया गया कदम भारी पड़ जाता है। और कई बार सबसे ऊंची आवाज में दी गई चेतावनियां भी आखिरकार बातचीत की मेज तक ही पहुंचती हैं।

(लेखक राजधानी भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता है)|

आज का राशिफल

मेष
आज पढ़ाई करने वाले बच्चों के लिए अच्छा दिन है. स्टूडेंट्स और स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों को लव अफेयर से दूरी बनाकर रखनी चाहिए. सोशल मीडिया पर काम करने वाले व्यापारी अपने प्रोडक्ट्स की ब्रांडिंग से मुनाफा कमा सकते हैं.

वृष
आज घर-जमीन से जुड़े रुके हुए मामले सुलझ सकते हैं. संतान पर थोड़ा ज्यादा ध्यान दें. अगर आप नए मोबाइल या इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने की सोच रहे हैं, तो फिलहाल रुकना ही बेहतर होगा. व्यापार में किया गया निवेश घाटे में बदल सकता है, सतर्क रहें.

तुला
लव और वैवाहिक जीवन आपकी कुछ इच्छाएं पूरी हो सकती हैं, जिससे संबंधों में मिठास बढ़ेगी. स्टूडेंट्स सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करें. कोई पुराना विवाद सुलझ सकता है, समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. वर्कप्लेस पर भावनात्मक मुद्दों के चलते तनाव हो सकता है.

वृश्चिक
आज नौकरी में परिवर्तन से लाभ हो सकता है. परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए आपको सुदृढ़ वित्तीय योजना बनानी होगी, ताकि आगे चलकर किसी आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े कार्यस्थल पर दिन आपके पक्ष में रहेगा.

मिथुन
आज आपका आत्मविश्वास और साहस बढ़ेगा. पार्टनर के साथ प्यार भरे और यादगार पल बिताएंगे. व्यापार में आपके प्रोडक्ट की चर्चा होगी और मुनाफा बढ़ेगा. वृद्धि योग के कारण रेंटल सर्विस बिजनेस से जुड़े लोग नए पार्टनर से जुड़ सकते हैं और बड़ा सौदा कर सकते हैं.

कर्क
नैतिक मूल्यों को निभाएं. राजनीति से जुड़े लोग कुछ रुकावटों का सामना करेंगे, लेकिन मेहनत से समाधान मिलेगा. परिवार में सुख और समृद्धि बढ़ेगी. व्यापार से जुड़ा कोई कानूनी मामला आपके पक्ष में जा सकता है. ऑफिस में दोस्त आपके काम में मदद करेंगे.

धनु
धनु राशि वालों का रुझान आज आध्यात्म की ओर अधिक रहेगा. लव पार्टनर या जीवनसाथी के सहयोग से जीवन की समस्याएं दूर होंगी. कार्यस्थल पर प्रगति के कई अवसर मिलेंगे नौकरीपेशा लोगों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा सभी कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं.

मकर
कार्यस्थल पर किसी प्रोजेक्ट को लेकर गलतफहमी हो सकती है, बॉस की नाराज़गी झेलनी पड़ सकती है. नौकरीपेशा लोग अपने जरूरी सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें.परिवार में आपकी उम्मीदों पर पानी फिर सकता है, बेहतर रहेगा कि इस समय आप बाहरी लोगों की बातों में न आएं और अपनों पर भरोसा बनाए रखें.

सिंह
आज आपके अंदर विवेक और जोश दोनों में बढ़ोतरी होगी. ऑफिस में नई पोस्ट के साथ बड़ी ज़िम्मेदारी मिल सकती है. नौकरीपेशा लोग अपने बॉस को खुश रखने की कोशिश करें उनके अनुभव से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा. खर्चों पर नियंत्रण रखें, फिजूलखर्ची से बचें.

कन्या
आज आपको कानूनी नियमों और प्रक्रियाओं को समझने की कोशिश करनी चाहिए. निवेश करने से पहले सारे कागजातों की जांच जरूर करें. समाज में किसी बात को लेकर आपकी छवि प्रभावित हो सकती है.

कुंभ
आज जीवनसाथी के साथ संबंधों में मजबूती आएगी. आप लव पार्टनर की किसी चीज़ में सहायता करेंगे, जिससे आपसी बंधन और भी गहरा होगा. व्यापारियों को अचानक धन प्राप्ति के योग हैं, यह पैसा किसी से लिया गया उधार भी हो सकता है.

मीन
आज मानसिक तनाव महसूस हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में उम्मीद से बेहतर परिणाम भी मिलेंगे. छात्रों का पढ़ाई में मन लगा रहेगा और वे पूरी मेहनत से जुटे रहेंगे. नौकरीपेशा लोग खुद को तैयार रखें, क्योंकि सिर्फ आपकी मेहनत ही प्रमोशन की सूची में जगह दिला सकती है.

शरीर में हार्मोन संतुलित करने के लिए रोज सुबह जरूर पिएं ये ड्रिंक, दूर होंगी कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का बैलेंस रहना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आपके हार्मोन्स असंतुलित हो गए हैं तो संभव है कि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे बैलेंस रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कुछ लोग तो इसके लिए दवाओं का भी सेवन करते हैं। जबकि आप घर पर बनी मात्र एक हेल्दी ड्रिंक पीकर भी हार्मोन्स को बैलेंस कर सकते हैं। आइये डाइटिशियन ऋचा गंगानी से जानते हैं इस ड्रिंक को पीने से हार्मोन्स कैसे नियंत्रित होते हैं और इसे बनाने का तरीका।

कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

- यह ड्रिंक बनाना काफी आसान है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।
- इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको घी और नारियल का तेल लेना है।
- अब इसके बाद आपको हल्दी और काली मिर्च लेनी है।
- यह सामाग्रियां जुटाने के बाद आपको एक गिलास पानी गर्म करना है।
- अब गर्म पानी में सबसे पहले एक चम्मच घी मिलाएं। इसके बाद इसमें अन्य सामग्रियां डालें।
- इस ड्रिंक एक साथ मिलाकर आप सुबह खाली पेट इसे पी सकते हैं।

हार्मोन्स बैलेंस करने में मददगार

अगर आपको हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है तो ऐसे में इस ड्रिंक को जरूर पिएं। इसमें घी और हल्दी की मात्रा होती है, जो शरीर में हार्मोन्स के उत्पादन को कंट्रोल करने के साथ ही उसे बैलेंस रखने में भी मदद करती है। यह ड्रिंक शरीर में होने वाले ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करके हार्मोन्स के इंबैलेंस को कम करने में मददगार साबित होती है। सुबह के समय घी खाने से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन्स का लेवल बैलेंस रहता है।

इस ड्रिंक को पीने के अन्य फायदे

- यह ड्रिंक सेहत के लिए अन्य भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होती है।
- अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो भी इस ड्रिंक को पी सकते हैं।
- इसे पीने से पाचन प्रक्रिया तेज होने के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी दुरुस्त रहता है।
- इस ड्रिंक को पीने से शरीर की थकान दूर होती है साथ ही उर्जा की कमी महसूस नहीं होती है।

गर्मियों में बढ़ जाता है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन का जोखिम

गर्मी में बैक्टीरियल स्किन इन्फेक्शन होना बहुत ही आम बात है। वैसे तो स्किन इंफेक्शन के लक्षण बहुत ही आम होते हैं, लेकिन कुछ इंफेक्शन ऐसे भी होते हैं, जो कुछ ही लोगों को होते हैं। इन्हीं इंफेक्शन में से एक है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन। टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव करने के लिए क्या किया जा सकता है

गर्मी के मौसम में तेज धूप, लू, पसीने और धूल-मिट्टी की वजह से स्किन इंफेक्शन का खतरा ज्यादा रहता है। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं होगा जिसको अपनी लाइफ में किसी तरह का स्किन इंफेक्शन जरूर होता। विशेषकर गर्मी में बैक्टीरियल स्किन इन्फेक्शन होना बहुत ही आम बात है। वैसे तो स्किन इंफेक्शन के लक्षण बहुत ही आम होते हैं, लेकिन कुछ इंफेक्शन ऐसे भी होते हैं, जो कुछ ही लोगों को होते हैं। इन्हीं इंफेक्शन में से एक है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन। टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव करने के लिए क्या किया जा सकता है।

क्या है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन

टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन एक दुर्लभ प्रकार का फंगल इंफेक्शन है। यह इंफेक्शन मुख्य रूप से पैरों के तलवे और हथेलियों को प्रभावित करता है। कुछ मामलों में यह इंफेक्शन पूरे शरीर को प्रभावित कर सकता है। गर्मी के मौसम में जिन लोगों को पसीना ज्यादा आता है, उन्हें नाइग्रा इंफेक्शन होने का खतरा ज्यादा रहता है। टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन शरीर पर काले धब्बे की तरह विकसित है। कुछ केस में इसके धब्बे भूरे और लाल भी हो सकते हैं।

टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन के लक्षण क्या हैं

टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन त्वचा पर खुरदरे, भूरे या काले धब्बे के रूप में दिखाई दे सकता है। शुरुआत में कुछ लोग टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन को स्किन कैंसर समझने की भूल कर सकते हैं, क्योंकि यह समय के साथ बड़ा होता जाता है। लेकिन डॉक्टर के पास जाने से आपके कई भ्रम दूर हो सकते हैं। टिनिया नाइग्रा काला धब्बा त्वचा के कैंसर से अलग होगा क्योंकि इसका आकार अजीब होता है। यदि आपके हाथों पर टिनिया नाइग्रा है, तो आप पाएंगे कि इसका रंग पूरे दिन बदलता रहता है। यह सुबह के समय गहरे भूरे रंग से लेकर शाम के समय हल्के रंग तक हो सकता है। इस इन्फेक्शन के लक्षण हथेलियों पर दिनभर काम करने और आपने किस तरह की चीजों को छुआ है, इस पर आधारित हो सकते हैं। यह इंफेक्शन आमतौर पर हाथों की हथेलियों और पैरों के तलवों को प्रभावित करता है। कुछ मामलों में यह गर्दन पर भी विकसित हो सकता है। चूंकि टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन के कारण ज्यादा लोगों को परेशानी नहीं होती है, इसलिए इस इंफेक्शन का पता बहुत लंबे समय के बाद पता चलता है।

टिनिया नाइग्रा होने का कारण क्या है

यह स्किन इन्फेक्शन हॉर्टिया वर्नेकी नामक कवक के संपर्क में आने के बाद होता है। हॉर्टिया वर्नेकी अत्यधिक खारे वातावरण या अत्यधिक उच्च नमक सामग्री वाले स्थानों पर पनपता है। टिनिया नाइग्रा की ऊष्मायन अवधि लंबी होती है। इसका मतलब यह है कि हॉर्टिया वर्नेकी के संपर्क में आने के बाद यह तुरंत दिखाई नहीं देता है। फंगस के संपर्क में आने के कम से कम 2 से 7 सप्ताह बाद आप अपनी त्वचा के रंग में बदलाव देखने को मिलते हैं। यही वजह है कि टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन के लक्षण देरी से नजर आते हैं।

टिनिया नाइग्रा का इलाज क्या है

यदि आपको लगता है कि आपको टिनिया नाइग्रा है, तो आपको स्किन स्पेशलिस्ट से मिलना चाहिए। स्किन स्पेशलिस्ट यह जानने के लिए संक्रमित क्षेत्र का एक नमूना लेंगे कि आपको टिनिया नाइग्रा है या नहीं। यदि आपके टेस्ट का रिजल्ट पॉजिटिव आता है, तो आप एंटीफंगल स्किन क्रीम के जरिए इसे ठीक कर सकते हैं। 2 से 4 सप्ताह के लगातार उपयोग के बाद एंटी फंगल स्किन क्रीम आपके टिनिया नाइग्रा को ठीक कर देगी।

आप भी पीते हैं नमक वाली चाय?

जानें इससे होने वाले गंभीर नुकसान

चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से अपच, एसिडिटी और ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

चाय भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पी जाने वाली ड्रिंक है। इसका सेवन बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चे भी करते हैं। चाय का मार्केट इतना बड़ा है कि दुनियाभर में अलग-अलग तरह की चाय मिलती है। आमतौर पर लोग दूध वाली चाय का ही सेवन करते हैं। भारत में मसाला चाय और हर्बल चाय का भी चलन है। सावधानीपूर्वक और सही तरीके से चाय का सेवन करने से शरीर को फायदे भी मिलते हैं। लेकिन गलत तरीके से इसका सेवन करना सेहत के लिए गंभीर होता है। चाय का सेवन करने वाले कुछ लोग इसमें नमक मिलाकर भी पीते हैं। नमक वाली चाय सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है।

नमक वाली चाय पीने के नुकसान

नमकीन चाय एक प्रकार की चाय है जिसमें नमक और अन्य मसाले डाले जाते हैं। अक्सर लोग चाय बनाते समय दूध के साथ कुछ मात्रा में नमक भी डाल देते हैं। सर्दी-जुकाम या इन्फेक्शन होने पर भी लोग नमकीन चाय का सेवन करते हैं। नक्लीनिकल डाइटिशियन कहते हैं, चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीना नुकसानदायक होता है। नमक वाली चाय का सेवन करने से कई गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। इसलिए चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से बचना चाहिए। नमक वाली चाय पीने के नुकसान इस तरह से हैं-

हाई ब्लड प्रेशर - दूध वाली चाय में नमक डालकर पीने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा रहता है। नमक ज्यादा खाने से ब्लड में नाट्रियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बीपी बढ़ सकता है।

शरीर में पानी भरना - नमक वाली चाय का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी भर सकता है। इसकी वजह से पेशाब की समस्या भी हो सकती है।

गैस और एसिडिटी - नमक के अधिक सेवन से पाचन तंत्र में समस्याएं हो सकती हैं, जिससे गैस और एसिडिटी का खतरा रहता है। यह पेट में असहजता और तकलीफ का कारण बन सकता है।

पाचन तंत्र के लिए हानिकारक - नमकीन चाय का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी - नमक के अत्यधिक सेवन से शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

नुकसान से कैसे बचें?

नमक वाली चाय का सेवन शरीर में ऊपर बताई गई समस्याओं का कारण हो सकता है। इसके अलावा चाय का भी ज्यादा मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर नुकसान होने का खतरा रहता है। चाय पीने की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए। इसके नुकसान से बचने के लिए डाइट में फल, सब्जी और हेल्दी चीजों को शामिल करें। नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज का अभ्यास करने से भी इसके नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

मासिक धर्म से जुड़ी समस्याएँ

महिलाओं में तेजी से बढ़ती एक सामान्य स्वास्थ्य चिंता

मासिक धर्म से जुड़ी समस्याएँ आज महिलाओं में तेजी से बढ़ती एक सामान्य स्वास्थ्य चिंता बनती जा रही हैं, जो उनके दैनिक जीवन और कार्य क्षमता को प्रभावित करती हैं। इन्हीं समस्याओं में एक प्रमुख स्थिति है प्रीमेंस्ट्रुअलसिंड्रोम, जिसे एक दीर्घकालिक और चक्रीय विकार माना जाता है। यह समस्या आमतौर पर मासिक धर्म शुरू होने से 5 से 7 दिन पहले दिखाई देती है और इसका संबंध प्रजनन आयु में होने वाले स्टेरॉय डल हार्मोनों के उतार-चढ़ाव से माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पीएमएस का मुख्य कारण सामान्य हार्मोनल परिवर्तनों के प्रति शरीर की असामान्य संवेदनशीलता और अत्यधिक प्रतक्रिया हो सकता है।

आंकड़ों के अनुसार, विश्वभर में लगभग 40 मिलियन महिलाएँ पीएमएस से प्रभावित हैं, जबकि भारत में इसकी व्यापकता 61.7% से 72.3% के बीच बताई जाती है, जो इसकी गंभीरता को दर्शाता है। इस समस्या से जुड़े 150 से अधिक लक्षण पाए जाते हैं, जिनमें वजन बढ़ना, जोड़ों और मांस पेशियो में दर्द, मुंहासे, पीठदर्द, पेटफूलना, पेट में ऐंठन, ऊर्जा की कमी, भूख और प्यास में बदलाव, कब्ज, हृदयगति मे वृद्धि, दैनिक गतिविधियों में रुचिकी कमी, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, तनाव, उदासी, थकान, स्तनों में संवेदनशीलता और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई शामिल हैं। हालांकि PMS के लक्षणों को कम करने के लिए दवाइयों (फार्माकोलॉजिकल) और बिना दवा के उपायों (नॉन-फार्माकोलॉजिकल) दोनों का सहारा लिया जाता है, लेकिन अब तक इसका कोई निश्चित इलाज उपलब्ध नही है। इस संदर्भ में ऑटोजेनिकट्रेनिंग (Autogenic Training - AT) एक प्रभावी और सुरक्षित विकल्प के रूप में उभर रही है। यह एक रिलैक्सेशन तकनीक है, जिसे 1930 में शुल्ट्ज द्वारा विकसित किया गया था। इसमे छह

मासिक धर्म से पहले होने वाली समस्याओं का समाधान: पीएमएस और ऑटोजेनिक ट्रेनिंग की भूमिका

विशेष वाक्यों की मानसिक पुनरावृत्ति के माध्यम से शरीर की संवेदनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है और धीमी वनियंत्रित श्वास को अपनाया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऑटो जेनिक ट्रेनिंग से मानसिक शांति और गहरी विश्राम अवस्था प्राप्त होती है, जिससे शरीर के सिम्पेथेटिक और पैरासिम्पेथेटिक तंत्र के बीच संतुलन स्थापित होता है। यह प्रक्रिया दर्द को कम करने में भी सहायक होती है, क्योंकि इससे ऊतकों की ऑक्सीजन की आवश्यकता कम होती है, लैक्टिकएसिड का अपघटन होता है, मांसपेशियों का तनाव और चिंता घटती है, और शरीर में एंडोर्फिन जैसे प्राकृतिक दर्द निवारक हार्मोन का स्राव बढ़ता है। इस प्रकार, PMS जैसी समस्या के प्रबंधन में जागरूकता और रिलैक्सेशन तकनीकों का अपनाना महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

- **डॉ शालिनी (पीटी)**, सहायक प्रोफेसर, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय
- **डॉ. दिव्या खाती (पीटी)**, सहायक प्रोफेसर, रयात बाहरा विश्वविद्यालय, मोहाली
- **और डॉ. श्वेता वर्मा (पीटी)**, सहायक प्रोफेसर, रयात बाहरा विश्वविद्यालय, मोहाली

दिसंबर में आएगा एनएसई का आईपीओ

डीआरएचपी साइज और बैंकर्स की पूरी डिटेल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आईपीओ को लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। एनएसई अपने को दिसंबर 2026 के अंत तक लाने का लक्ष्य रखा है। इस ऐतिहासिक आईपीओ को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और यह भारतीय शेयर बाजार की अब तक की सबसे बड़े से एक हो सकता है। हालांकि,

एनएसई की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सटीक जानकारी के लिए कंपनी के रेगुलेटरी फाइलिंग का इंतजार करें। सूत्रों के हवाले से बताया है कि एनएसई जून 2026 के अंत से पहले अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस सेबी के पास दाखिल कर सकता है। हालांकि, एक्सचेंज की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अपने आईपीओ को सफल बनाने के लिए एनएसई ने 20 मर्चेंट बैंकरों को नियुक्त किया है। यह किसी भी भारतीय पब्लिक इश्यू के लिए अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसके अलावा, रेगुलेटरी, डॉक्यूमेंटेशन और कंप्लायंस से जुड़े मामलों के लिए 8 लॉ फर्म भी चुनी गई हैं। एनएसई की आईपीओ समिति, जिसके चेयरमैन श्रीनिवास हैं, ने एक फेयर प्रोसेस के तहत इन नियुक्तियों को मंजूरी दी। एनएसई आईपीओ क्यों है महत्वपूर्ण इसकी कई वजहे हैं। देश का सबसे बड़ा एक्सचेंज है और भारत में ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से नंबर-1 है। कई सालों से रेगुलेटरी मंजूरी और कानूनी मामलों के चलते यह आईपीओ टाला जाता रहा है। यह निवेशकों के लिए सुनहरा मौका है। एक्सचेंज के शेयर खरीदने का यह पहली बार मौका होगा, जिसमें देश-विदेश के बड़े निवेशक अपनी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

एनएसई के आईपीओ पर क्या कह रहे मार्केट एक्सपर्ट्सन

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि हस्श्च का इंडियन कैपिटल मार्केट के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। 20 मर्चेंट बैंकरों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि एक्सचेंज इस इश्यू को हर पहलू से चाक-चौबंद बनाना चाहता है। हालांकि, निवेशकों को सेबी की मंजूरी और बाजार की स्थितियों पर भी नजर रखनी चाहिए।

कितती हिस्सेदारी बिकेगी और कितना होगा इश्यू साइज

पहले जारी रिपोर्ट्स के अनुसार, एनएसई अपने आईपीओ के जरिए ऑफर-फॉर-सेल के तहत 4-5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रहा है। इस रूट से मौजूदा शेयरहोल्डर्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे, कंपनी को नया फंड नहीं मिलेगा। अनुमान है कि इस इश्यू का साइज 20,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है, जो इसे देश के सबसे में शुमार कर देगा।

24 से सीधे 35 पर पहुंचा स्टॉक

मात्र 10 दिन में करीब 50 प्रतिशत तक उछले ईवी कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में तेजी के बीच ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों ने हाल के दिनों में शानदार वापसी की है। 30 मार्च के बाद से स्टॉक में आई तेजी ने निवेशकों का ध्यान फिर से इस कंपनी की ओर खींच लिया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 30 मार्च को ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 23.98 पर खुला था, जबकि 9 अप्रैल को यह 30.30 पर ओपन हुआ और तेजी पकड़ते हुए 35.30 तक पहुंच गया। आइए जरा विस्तार से इसकी रैली को समझते हैं।

47 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ: अगर इस पूरे मूवमेंट को प्रतिशत में देखें, तो 23.98 से 35.30 तक का उछाल करीब 47 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ को दर्शाता है, यानी महज कुछ ही दिनों में निवेशकों को लगभग आधा रिटर्न मिल गया, जो किसी भी शॉर्ट टर्म रैली के लिहाज से काफी मजबूत माना जाता है।

9 अप्रैल को जबरदस्त तेजी: ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में आज 9 अप्रैल 2026 को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक यह शेयर करीब 15.33 प्रतिशत उछलकर 34.91 पर कारोबार कर रहा था। दिनभर की ट्रेडिंग

में स्टॉक ने मजबूत खरीदारी दिखाई, जिससे साफ है कि निवेशकों का भरोसा एक बार फिर इस ईवी कंपनी पर बढ़ रहा है।

इस मूवमेंट की बड़ी वजह: आपको बता दें कि मार्च 2026 में ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखा गया है। कंपनी की बिक्री में 150 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि देखने को मिली है। पिछले महीने कंपनी की 10,117 गाड़ियां बिकीं। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण सर्विस ऑपरेशन्स में सुधार है। इसके चलते कंपनी को पिछले महीने के आखिरी में हर दिन 1,000 से ज्यादा ऑर्डर मिला है। इस तेजी के पीछे कंपनी की हालिया घोषणाएं और ईवी सेक्टर में बढ़ती उम्मीदें बड़ी वजह मानी जा रही हैं। खासकर कंपनी की नई बैटरी टेक्नोलॉजी और प्रोडक्शन अपडेट ने बाजार में पॉजिटिव सेंटिमेंट बनाया है। इसके अलावा पहले आई भारी गिरावट के बाद इस स्टॉक में बाउंस बैक की स्थिति भी देखने को मिल रही है, जिससे ट्रेडर्स और शॉर्ट टर्म निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है।

हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि इतनी तेज रैली के बाद स्टॉक में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इस तरह की तेजी के बाद मुनाफावसूली भी देखने को मिल सकती है। ओला इलेक्ट्रिक का यह प्रदर्शन दिखाता है कि सही खबर और बाजार के मूड के साथ स्टॉक कितनी तेजी से ऊपर जा सकता है। लेकिन, निवेशकों को हमेशा जोखिम को ध्यान में रखते हुए ही फैसला लेना चाहिए।

सीजफायर से क्रिप्टो मार्केट में रौनक, बिटकॉइन 3 हफ्ते के हाई पर

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान-अमेरिका युद्ध में सीजफायर के बाद बिटकॉइन की कीमतें तीन हफ्ते के हाई पर पहुंच गई हैं। न्यूयॉर्क ट्रेडिंग में बिटकॉइन 5 प्रतिशत चढ़कर 72,841 डॉलर तक पहुंच गया, जो 18 मार्च के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि, बाद में इसमें हल्की मुनाफावसूली भी देखने को मिली। तेजी सिर्फ बिटकॉइन तक सीमित नहीं रही। ईथेरियम भी 7.5 प्रतिशत उछलकर 2,273 डॉलर तक पहुंच गया। यानी पूरे क्रिप्टो मार्केट में निवेशकों का भरोसा लौटा है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमले रोकने के फैसले ने ग्लोबल मार्केट में पॉजिटिव माहौल बना दिया। इसके बाद शेयर बाजारों में तेजी आई और कच्चे तेल की कीमतें गिरकर 95 डॉलर से नीचे आ गईं। होर्मूज स्ट्रेट के फिर से खुलने की उम्मीद ने निवेशकों का डर कम किया, जिससे जोखिम वाले ऐसेट्स जैसे क्रिप्टो में खरीदारी बढ़ी। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह तेजी स्थायी नहीं भी हो सकती। अगर सीजफायर टूटता है, तो बिटकॉइन फिर से गिरकर 66,000 डॉलर तक जा सकता है। युद्ध शुरू होने के बाद से बिटकॉइन 60,000 से 75,000 डॉलर के बीच ही झूल रहा है। तेजी ने उन ट्रेडर्स को नुकसान पहुंचाया, जो गिरावट पर दांव लगा रहे थे। डेटा के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 250 मिलियन डॉलर से ज्यादा की शॉर्ट पोजीशन खत्म हो गई।

हम विश्व युद्ध के दौर में हैं, निवेशक रे डालियो ने दी चेतावनी, जोखिम को कम आंक रहे बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी। जाने-माने निवेशक रे डालियो ने चेतावनी दी है। उनके अनुसार, ग्लोबल मार्केट युद्ध के आने वाले जोखिमों को शायद कम आंक रहे हैं। हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रम एक लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की ओर इशारा करते हैं। ये विश्व व्यवस्था को नया रूप दे सकता है। इसके चलते एसेट की कीमतों पर दबाव पड़ने की आशंका है।

रे डालिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया है। डालियो ने कहा कि निवेशक का फोकस ईरान संघर्ष जैसी शॉर्ट-टर्म की घटनाओं पर बहुत ज्यादा हैं। वहीं, वे गहरे संरचनात्मक बदलावों को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'बाजार यह मानकर चल रहे हैं कि यह युद्ध ज्यादा समय तक नहीं चलेगा। जब यह खत्म होगा तो हम फिर से सामान्य स्थिति में लौट आएंगे। यह धारणा गलत साबित हो सकती है।' इसे डालियो ने बिना किसी औपचारिक घोषणा के 'क्लासिक वर्ल्ड वॉर के डायनेमिक' बताया है। शेयर बाजार के लिए इसका मतलब यह है कि जोखिम का माहौल उम्मीद से ज्यादा समय तक बना रह सकता है। डालियो ने ऐतिहासिक पैटर्नों की ओर इशारा किया। इससे पता चलता है कि भू-राजनीतिक विभाजन, बढ़ते कर्ज और बदलते गठबंधनों वाले दौर अक्सर वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और भविष्य में कमजोर रिटर्न के साथ

मेल खाते हैं।

जाने-माने निवेशक ने कहा कि मौजूदा दौर पहले के दौर जैसा ही है, जैसे कि प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध से पहले के वर्ष, जब तनाव धीरे-धीरे बढ़ा था। फिर आखिरकार बड़े संघर्षों में बदल गया। उन्होंने कहा, 'हम लड़ाई शुरू होने से पहले के चरण से लड़ाई वाले चरण की ओर ट्रांजिशन के दौर में हैं।' साथ ही यह भी चेतावनी दी कि इसकी कोई सटीक समय-सीमा नहीं है। लेकिन, संकेत बढ़ते तनाव की ओर इशारा कर रहे हैं। रे डालियो ने नतीजों को निर्धारित करने में गठबंधनों के महत्व को भी हाईलाइट किया। उनके अनुसार, चीन और रूस जैसे देश ईरान और अन्य सहयोगियों के साथ तेजी से जुड़ रहे हैं। वहीं, अमेरिका और उसके सहयोगी विरोधी गुट बना रहे हैं। कूटनीतिक कार्यों और आर्थिक संबंधों में दिखाई देने वाले ये गठबंधन भू-राजनीतिक नतीजों और बाजार की दिशा दोनों को प्रभावित करेंगे। एनर्जी डायनेमिक्स एक और महत्वपूर्ण फैक्टर है। हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट जैसे प्रमुख मार्गों में आने वाली बाधाएं ग्लोबल अस्थिरता को बढ़ा सकती हैं। लेकिन, डालियो ने कहा कि कुछ देश दूसरों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं। अमेरिका को एनर्जी एक्सपोर्टर होने का फायदा मिलता है।

अमेरिका की बढ़ी रही हैं मुश्कलिं

एक मुख्य चिंता प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में अमेरिका पर पड़ने वाला दबाव है। डालियो ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका के पास वर्तमान में दर्जनों देशों में सैकड़ों सैन्य अड्डे हैं। उसे कई मोर्चों पर अपनी प्रतिबद्धताएं निभानी पड़ रही हैं। इससे उसके संसाधनों पर जरूरत से ज्यादा बोझ पड़ने का खतरा बना हुआ है। ऐतिहासिक रूप से ऐसी स्थितियों ने प्रमुख शक्तियों को कमजोर किया है। ग्लोबल हाइआर्की यानी ग्लोबल पदानुक्रम को बदल दिया है।

चांदी के भाव 2 प्रतिशत टूटे, सोना भी दबाव में

नईदिल्ली, एजेंसी। कमोडिटी मार्केट में गुरुवार, 9 अप्रैल को सोना और चांदी दोनों में कमजोरी देखने को मिली। स्न्ष्ठङ्ग पर चांदी करीब 2 प्रतिशत गिरकर 2,35,133 प्रति किलो पर आ गई, जबकि सोना 0.7 प्रतिशत यानी 1,129 टूटकर 2,39,918 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इंटरनेशनल मार्केट में भी यही ट्रेंड देखने को मिला। स्पॉट सिल्वर 73.83 डॉलर प्रति औंस पर फिसल गई, जबकि सोना 4,715 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर, लेकिन दबाव में रहा।

सोना-चांदी के भाव में गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच घोषित युद्धविराम पर बढ़ती अनिश्चितता है। हालात, पूरी तरह शांत नहीं हैं। इजरायल द्वारा लेबनान में बड़े हमले और ईरान की चेतावनी ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा होर्मुज स्ट्रेट अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुआ है, जिससे ग्लोबल सप्लाई को लेकर डर बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतों में फिर से तेजी

कच्चे तेल की कीमतों में फिर से तेजी देखने को मिली है। ब्रेंट और क्रूड दोनों 97 प्रति बैरल के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। तेल

महंगा होने से महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ता है, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रख सकते हैं। यही वजह है कि सोना और चांदी जैसे बिना ब्याज वाले निवेश दबाव में आ जाते हैं।

डॉलर और फेड की नीति का असर: डॉलर इंडेक्स में स्थिरता भी कीमती धातुओं पर दबाव बना रही है। मजबूत डॉलर से सोना-चांदी महंगे हो जाते हैं, जिससे उनकी मांग कम होती है। वहीं, फेडरल रिजर्व के संकेत भी बाजार को प्रभावित कर रहे हैं। अगर महंगाई उम्मीद से ज्यादा रहती है, तो ब्याज दरों में कटौती टल सकती है या बढ़ोतरी भी हो सकती है।

निवेशकों की नजर अहम डेटा पर: बाजार अब अमेरिकी महंगाई डेटा और जॉब्लेस क्लेम्स पर टिकी है। ये आंकड़े तय करेंगे कि आगे फेड की नीति क्या रहेगी और सोना-चांदी का रुख किस दिशा में जाएगा।

क्या यह खरीदारी का सही समय है: मौजूदा हालात में बाजार पूरी तरह खबरों पर आधारित है। ऐसे में जल्दबाजी में बड़े निवेश से बचना बेहतर माना जा रहा है। गिरावट के दौरान धीरे-धीरे निवेश करना समझदारी हो सकती है। खासकर चांदी में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, इसलिए इसमें निवेश करते समय अतिरिक्त सावधानी जरूरी है। ऑगमोंट में रिसर्च हेड, रेनीशा चैनानी के अनुसार तकनीकी स्तर अभी भी पॉजिटिव संकेत दे रहे हैं। चांदी 76.5 के ऊपर मजबूत ब्रेकआउट दे सकती है, जहां से 82-87 तक जाने की संभावना है। वहीं, सोना 4,800 के ऊपर टिकता है तो 5,000 तक की तेजी दिखा सकता है।

पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल 128 प्रतिशत तक महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के बाद जब कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं, तो इसका असर दुनिया के अधिकतर देशों पर पड़ा। पड़ोसी म्यांमार में डीजल के रेट में 128.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई तो पेट्रोल का दाम 93.9 प्रतिशत बढ़ गया, लेकिन भारत एक दिलचस्प स्थिति में है। आज भी दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। एक तरफ यह दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है, वहीं दूसरी तरफ यहां सरकार कीमतों को पूरी तरह बाजार पर नहीं छोड़ती। यही कारण है कि वैश्विक उछाल के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर दिखाई दे रही हैं।

म्यांमार से पाकिस्तान तक पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

ग्लोबल पेट्रोल प्राइसेज डॉट कॉम के 6 अप्रैल तक के जारी आंकड़ों के मुताबिक पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने वाले टॉप-10 देशों में म्यांमार, फिलीपींस, मलेशिया, कंबोडिया, पाकिस्तान, लाओस, जिमबाब्वे, यूएई, वियतनाम और पनामा हैं। यहां युद्ध के बाद से पेट्रोल 38.5 प्रतिशत से लेकर 93.9 प्रतिशत महंगा हुआ है। जबकि, डीजल के

दाम में 38.8 प्रतिशत से 169.5 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है।

युद्ध के बाद से पेट्रोल के दाम बढ़ाने वाले टॉप-10 देश: म्यांमार 93.9 प्रतिशत, फिलीपींस 68.7 प्रतिशत, मलेशिया 52.4 प्रतिशत, कंबोडिया 49.4 प्रतिशत, पाकिस्तान 46.6 प्रतिशत, लाओस 45.6 प्रतिशत, जिमबाब्वे 42.9 प्रतिशत, यूएई 40.8 प्रतिशत, वियतनाम 39.0 प्रतिशत, पनामा 38.5 प्रतिशत

युद्ध के बाद से डीजल के दाम बढ़ाने वाले टॉप-10 देश

1. लाओस 169.5 प्रतिशत
2. वियतनाम 141.8 प्रतिशत
3. म्यांमार 128.5 प्रतिशत
4. फिलीपींस 128.0 प्रतिशत
5. कंबोडिया 118.7 प्रतिशत
6. मलेशिया 101.3 प्रतिशत
7. पाकिस्तान 88.7 प्रतिशत
8. यूएई 86.1 प्रतिशत
9. लेबनान 76.7 प्रतिशत
10. न्यूजीलैंड 76.3 प्रतिशत

डीए के ऐलान में हो रही देरी, 1.2 करोड़ कर्मचारियों की नजर सरकार के फैसले पर

नईदिल्ली, एजेंसी। जनवरी-जून 2026 के महंगाई भत्ते बढ़ोतरी का इंतजार इस बार लंबा हो गया है। अप्रैल शुरू होने के बावजूद सरकार ने अभी तक कोई घोषणा नहीं की है। पिछले 10 सालों के

ट्रेंड को देखें तो जनवरी साइकिल का आमतौर पर मार्च तक घोषित हो जाता था, लेकिन 2026 में पहली बार ऐसा हुआ है कि मार्च गुजर गया और फैसला नहीं आया। इस देरी के चलते 1.2 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स अब सरकार के अगले कदम पर नजर बनाए हुए हैं। वजह से नहीं, बल्कि प्रक्रियात्मक कारणों से हो रही है। डीए अब 60 प्रतिशत के करीब पहुंच रहा है, इसलिए वित्तीय मंजूरी और कैलकुलेशन में ज्यादा सावधानी बरती जा रही है। इसके अलावा 1 जनवरी 2026 से लागू हो रहे 8वें वेतन आयोग के ट्रांजिशन का भी असर इस टाइमिंग पर पड़ रहा है। सरकार इस बार डीए ऐलान को नए वित्तीय वर्ष (2026-27) के साथ जोड़कर जारी कर सकती है। फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 58 प्रतिशत डीए मिल रहा है। इस बार करीब 2 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिससे बढ़कर 60 प्रतिशत हो सकता है। यह एक महत्वपूर्ण स्तर माना जाता है और 7वें वेतन आयोग के बाद का पहला बड़ा बदलाव भी होगा। इस देरी से कर्मचारियों के अधिकारों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। डीए बढ़ोतरी का मूल नियम वही है, महंगाई के आधार पर साल में दो बार संशोधन। यानी जब भी घोषणा होगी, डीए 1 जनवरी 2026 से लागू माना जाएगा और कर्मचारियों को पूरा एरियर मिलेगा। हालांकि, एरियर मिल जाएगा, लेकिन देरी का असर फिलहाल कर्मचारियों की जेब पर पड़ रहा है। कर्मचारी अभी पुरानी सैलरी के आधार पर बढ़ती महंगाई का सामना कर रहे हैं, जिससे खर्च और सेविंग प्लानिंग पर दबाव बढ़ रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 56,100 है, तो जनवरी से मार्च तक का एरियर करीब 6,700 से 7,000 तक हो सकता है।

विश्व बैंक ने बढ़ा दिया ग्रोथ का अनुमान, दे दी शाबाशी

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर होते ही भारत के लिए गुड न्यूज आई है। विश्व बैंक ने बुधवार को भारत के ग्रोथ के अनुमानों को बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ऐसा किया गया है। उसने पिछले अक्टूबर को भारत के विकास अनुमान को 6.3 प्रतिशत रखा था। अब इसे बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसका कारण मजबूत घरेलू मांग और निर्यात में शानदार प्रदर्शन बताया गया है। हालांकि, विश्व बैंक ने यह भी कहा कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष से पैदा हुई मुश्किलों के कारण पिछले वर्षों की तुलना में विकास की रफ्तार थोड़ी धीमी रहने की उम्मीद है। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) में कटौती से वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में उपभोक्ता मांग को बढ़ावा मिलने की संभावना है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की ऊंची कीमतें महंगाई बढ़ा सकती हैं। साथ ही इसके चलते परिवारों की खर्च करने की क्षमता भी सीमित होने का डर है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत में मजबूत मांग, खाने-पीने की चीजों की कीमतों का सामान्य होना और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई को ऊपर ले जा सकती हैं।' बढ़ती अनिश्चितता और उत्पादन लागत में बढ़ोतरी के कारण निवेश में भी धीमी रफ्तार से बढ़ोतरी की संभावना है। भले ही भारत के निर्यात को अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे बाजारों तक बेहतर पहुंच से फायदा मिल सकता है।

पूरे दक्षिण एशिया के लिए अनुमान घटाया

लंबे समय में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से व्यापार में बढ़ोतरी को सहारा मिलने की उम्मीद है। विश्व बैंक ने इस बात पर जोर दिया कि ईयू और ब्रिटेन के साथ भारत के स्न्रञ्ज सभी आय वर्गों के लोगों के बीच उपभोग और वास्तविक आय को बढ़ा सकते हैं। पूरे दक्षिण एशिया में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2025 के 7 प्रतिशत से घटकर 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में आई रुकावटें हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2025 में उम्मीद से ज्यादा मजबूत विकास दर का मुख्य श्रेय भारत की घरेलू मांग और श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में आई तेजी को जाता है। औद्योगिक नीतियों के मामले में दक्षिण एशिया की मिली-जुली सफलता का एक कारण इस क्षेत्र के कुछ देशों में नीतियों को लागू करने की सीमित क्षमता, वित्तीय गुंजाइश और बाजार का छोटा आकार होना है।

फ्रांजिस्का ओन्सॉर्गे, मुख्य अर्थशास्त्री, विश्व बैंक समूह (दक्षिण एशिया)

इस अल्पकालिक मंदी के बावजूद क्षेत्र के अन्य उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकलने का अनुमान है। इसमें भारत विकास का मुख्य इंजन बना रहेगा। मजबूत घरेलू मांग, टैरिफ में कटौती और हाल ही में हुए व्यापार समझौते इस अनुमान के प्रमुख आधार हैं। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया के उपाध्यक्ष जोहान्स जुट ने कहा, 'मुश्किल वैश्विक माहौल के बावजूद दक्षिण एशिया के विकास की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं।' उन्होंने विकास को बनाए रखने, रोजगार पैदा करने और मजबूती बढ़ाने के लिए नीतिगत सुधारों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में सुधार, व्यापार में रुकावटें हटाना, कारोबार के लिए अनुकूल माहौल बनाना और निजी पूंजी जुटाना जैसे कदम बहुत अहम होंगे।

एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप

आयुष शेट्टी का शानदार प्रदर्शन, सिंधू-युगल को झटका

नईदिल्ली (एजेंसी)। बेडमिंटन एशिया चैंपियन में भारत के लिए गुरुवार का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहा। जहां युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई, वहीं दिग्गज खिलाड़ियों को निराशा हाथ लगी।

आयुष शेट्टी का शानदार प्रदर्शनॉ – विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष शेट्टी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए चीनी ताइपे के चीयूजेन को सीधे गेम में 21-16, 21-12 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली और भारतीय उम्मीदों को जिंदा रखा।

क्वार्टरफाइनल में बड़ी चुनौती – अब आयुष का अगला मुकाबला इंडोनेशिया के तीसरी वरीयता प्राप्त क्रिस्टी से होगा। यह मुकाबला उनके लिए बड़ी परीक्षा साबित होगा, जहां उन्हें अपनी फॉर्म बरकरार रखनी होगी।

- **पीवी सिंधू को झटका** – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को महिला एकल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त बांग जेहइ ने 21-18, 21-8 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।
- **प्रणय की वापसी पर लगा ब्रेक** –चोट से वापसी कर रहे एच-एस प्रणय को भी निराशा हाथ लगी। उन्हें चीन के वेंग होनझान ने 21-12, 21-19 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया।
- **मिश्रित युगल में भी हार** – मिश्रित युगल में भारत की जोड़ी ध्रुव कपीला और तनीशा क्रेस्टो को मलेशिया की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी चेन तांग जी और तो ई वेई के खिलाफ 21-13, 21-14 से हार का सामना करना पड़ा।

सिनर और अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत के साथ की

मोनाको (एजेंसी)। जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोट 'सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए 'सनशाइन डबल' पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बट 'को 6-3, 6-0 से हराने में सिर्फ़ 64 मिनट लगे - उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ छह पॉइंट गंवाए।

यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की।

यह क्ले पर इस स्पेनिश खिलाड़ी का पहला मैच था, जब पिछले साल के रोमांचक फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने सिनर को हराया था; उस मैच में वह दो सेट पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाते हुए अपना दूसरा रौलां गैरो खिताब जीता था। अल्काराज, जिनका क्ले पर 22-1 का रिकॉर्ड है और जिन्होंने 2025 में इस सतह पर तीन खिताब जीते हैं, नवंबर से नंबर एक स्थान पर काबिज़ हैं। अल्काराज ने कहा, मैं दुनिया का नंबर एक स्थान गंवाने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि यह इसी टूर्नामेंट में होगा या अगले टूर्नामेंट में।

जैसे-जैसे सीजन यूरोपियन क्ले-कोट 'स्विंग की ओर बढ़ रहा है, दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर घटकर 1,190 रह गया है। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक सिनर के पास बचाव के लिए कोई रैंकिंग अंक नहीं हैं, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे।

अगर उन्हें सात बार के मेजर विजेता के साथ रैंकिंग में अपनी जगह बदलनी है, तो उन्हें कम से कम सेमीफ़ाइनल तक पहुंचना होगा और फिर मोंटे कार्लो में अल्काराज के प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अगले राउंड में सिनर का मुकाबला अर्जेंटीना के फ़्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा, जबकि अल्काराज़ या तो अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी या फ़्रांस के टेरेंस एटमैन के साथ खेलेंगे।

शुभमन गिल पर 12 लाख का जुर्माना

- दिल्ली के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण मिली सजा, जीटी ने डीसी को 1 रन से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर आईपीएल 2026 में स्लो ओवर-रेट के कारण 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले के बाद की गई। आईपीएल की ओर से जारी मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, गुजरात टाइटंस ने मैच के दौरान निर्धारित समय में अपने ओवर पूरे नहीं किए। यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत गिल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

गुजरात ने दिल्ली को 1 रन से हराया – इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने रोमांचक जीत दर्ज करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 210 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 209/8 रन ही बना सकी। गुजरात टाइटंस का सामना बुधवार को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स से हुआ था।

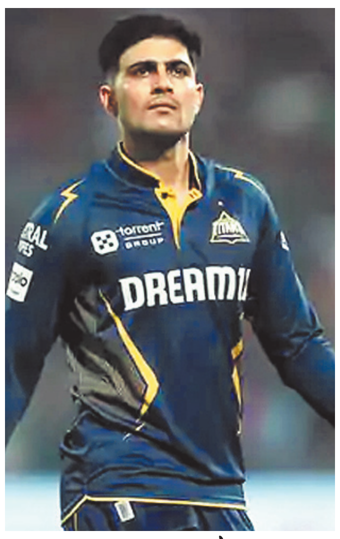

गुजरात का अगला मैच लखनऊ से – गुजरात टाइटंस की इस सीजन में यह पहली जीत रही। अब टीम का अगला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से लखनऊ में रविवार को होगा। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी।

आईपीएल में स्लो ओवर-रेट का नियम क्या है–आईपीएल में हर टीम को तय समय के अंदर अपने 20 ओवर पूरे करने होते हैं। अगर टीम ऐसा नहीं कर पाती, तो उसे स्लो ओवर-रेट माना जाता है और सजा दी जाती है।

गुजरात की आईपीएल में सबसे छोटी जीत, मिलर का 106 मीटर लंबा सिक्स ; मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

गुजरात टाइटंस ने बुधवार को आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को रोमांचक मुकाबले में 1 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में मैच की आखिरी बॉल पर कुलदीप यादव रनआउट हुए। डेविड मिलर ने 106 मीटर लंबा सिक्स लगाया।

सुदर्शन-गिल ने चौके से खाता खोला – साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल ने चौके से खाता खोला। पहले ओवर की पहली बॉल पर सुदर्शन ने पैड्स पर आई गेंद को मिडविकेट के पार बाउंड्री के लिए खेला। फिर सिंगल लेकर गिल को स्ट्राइक दी। गिल ने तीसरी बॉल पर ऑफ साइड में चौका जड़ा।

गुजरात की रन के हिसाब सबसे छोटी जीत

गुजरात ने रन के हिसाब से सबसे छोटी जीत हासिल की। टीम 1 रन से जीती। गुजरात ने 2024 में मुंबई के खिलाफ 6 रन, 2023 में लखनऊ के खिलाफ 7 रन, 2022 में कोलकाता के खिलाफ 8 रन और उसी साल दिल्ली के खिलाफ 14 रन से जीत दर्ज की थी।

बटलर के टी-20 में 600 सिक्स पूरे

बटलर के टी-20 में 600 सिक्स पूरे हुए। उन्होंने इस मैच में 5 सिक्स लगाए। सबसे ज्यादा सिक्स में क्रिस गेल (1056), कीरोन पोलार्ड (982), आंद्रे रसेल (784), निकोलस पूरन (712) उनसे आगे हैं। बटलर ने एक पारी में 14वीं बार 5 या उससे ज्यादा सिक्स लगाए।

बार-बार गलती करने पर सजा बढ़ती है

- अगर टीम सीजन में पहली बार स्लो ओवर-रेट की दोषी पाई जाती है, तो कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है।
- दूसरी बार करती है, तो कप्तान पर 24 लाख रुपए जुर्माना और बाकी खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का कुछ प्रतिशत जुर्माना लगता है।
- तीसरी बार करने पर कप्तान पर भारी जुर्माना और एक मैच का बैन भी लग सकता है।

'द मास्टर्स' गोल्फ, 92 साल पुराने टूर्नामेंट में रोचक परंपराएं

मोबाइल बैन इसलिए फील्ड पर लैंडलाइन, विजेता तय करता है डिनर का मेन्यू

ऑगस्टा (एजेंसी)। गोल्फ की दुनिया में 'द मास्टर्स' का स्थान चारों मेजर टूर्नामेंट में सबसे ऊपर माना जाता है। इस साल प्रतिष्ठित मेजर चैम्पियन?शिप का 90वां संस्करण खेला जा रहा है। ऑगस्टा नेशनल गोल्फ क्लब के हरे-भरे और शानदार मैदानों पर यह केवल एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि परंपराओं और इतिहास का महाकुंभ है।

मास्टर्स टूर्नामेंट की स्थापना वर्ष 1934 में गोल्फ के दिग्गज एमेच्योर चैम्पियन बॉबी जोन्स और निवेश बैंकर क्लिफर्ड रॉबर्ट्स ने की थी।

मैदान के इतिहास (एक पूर्व नर्सरी) का सम्मान करते हुए, कोर्स के हर होल का नाम किसी न किसी पेड़ या झाड़ी के नाम पर रखा गया है।

मास्टर्स की सबसे बड़ी पहचान 'ग्रीन जैकेट' की शुरुआत 1937 में हुई थी। शुरुआत में इसे क्लब के सदस्यों के लिए पेश किया गया था ताकि वे अलग दिख सकें, लेकिन बाद में इसे विजेताओं को दिया जाने लगा।

क्लिफर्ड रॉबर्ट्स द्वारा 1940 के दशक में शुरू की गई एक परंपरा के तहत, मास्टर्स में कैडी (खिलाड़ी का बैग उठाने वाले) हमेशा सफेद जंपसूट (ओवरऑल) और हरी टोपी पहनते हैं। ड्वाइट आइजनहावर ऑगस्टा नेशनल के सदस्य बनने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। उनके लिए केबिन बनाया गया था, जिसकी डिजाइन में सीक्रेट सर्विस की भी भूमिका थी।

टूर्नामेंट का सबसे कड़ा नियम यह है कि मैदान पर सेल फोन या मोबाइल उपकरणों पर प्रतिबंध है। यदि कोई फोन के साथ पकड़ा जाता है, तो उसे तुरंत बाहर निकाल दिया जाता है और उस पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया जाता है। मोबाइल न होने की भरपाई के लिए, पूरे कोर्स में पुराने जमाने के काले लैंडलाइन फोन लगाए गए हैं, जहां से मुफ्त कॉल कर सकते हैं।

मैदान पर सिर्फ 16 खिलाड़ियों को एंट्री

आईपीएल के नए नियम में बाउंड्री के बाहर मूवमेंट पर रोक, सिर्फ 5 एक्स्ट्रा प्लेयर्स ही रहेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के दौरान बीसीसीआई ने नया नियम लागू किया है। इसके मुताबिक बेंच पर बैठे खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकेंगे। टीम शीट में शामिल 16 खिलाड़ियों के अलावा किसी को मैदान में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ड्रिंक्स, बैट या मैसेज देने के लिए सिर्फ वही खिलाड़ी मैदान में जा सकेंगे जो इन 16 में शामिल हैं। हाल ही में यह निर्देश टीम मैनेजमेंट को दिए गए हैं। वजह अभी स्पष्ट नहीं है। एक समय में सिर्फ पांच खिलाड़ी बाउंड्री लाइन के पास घूम सकते हैं।

एक टीम में करीब 25 प्लेयर्स होते हैं – आमतौर पर आईपीएल टीमों में करीब 25 खिलाड़ी होते हैं। हर मैच के लिए सिर्फ 16 खिलाड़ियों को टीम शीट में नाम दिया जाता है। नए नियम के मुताबिक बाकी खिलाड़ी डगआउट में रहेंगे। उन्हें बाउंड्री लाइन और एलईडी बोर्ड के बीच आने-जाने की अनुमति नहीं होगी। टीम सूत्रों के मुताबिक, हमें हाल ही में निर्देश मिले हैं कि सभी सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकते। उन्हें ड्रिंक्स ले जाने की अनुमति नहीं है।

सब्स्टीट्यूट प्लेयर जर्सी पहनने वालों की संख्या 5 से ज्यादा नहीं – यह तय किया गया है कि बिब्स (सब्स्टीट्यूट प्लेयर जर्सी) पहनकर मैदान के किनारे घूमने वाले खिलाड़ियों की संख्या पांच से ज्यादा नहीं होगी। ये खिलाड़ी ड्रिंक्स ले जाने या बाउंड्री से गेंद लौटाने का काम करते हैं।यह नया नियम मैच प्लेइंग कंडीशंस के क्लॉज 11.5.2 और 24.1.4 को सख्त करता है। क्लॉज 11.5.2 के अनुसार खिलाड़ियों को ड्रिंक्स देने की अनुमति सीमित समय और शर्तों के साथ होती है।

नया नियम क्यों लाया गया

बीसीसीआई ने आधिकारिक वजह साफ नहीं की। टीम मैनेजमेंट और एक्सपर्ट्स इसे तीन कारणों से जोड़ रहे हैं–

- मैच की स्पीड बढ़ाना- बार-बार ड्रिंक्स/मैसेज देने से खेल धीमा हो रहा था।
- अनफेयर एडवांटेज रोकना- बाहर बैठे खिलाड़ी लगातार कोचिंग/रणनीति पहुंचा रहे थे।
- सिक्योरिटी और कंट्रोल- बाउंड्री लाइन के पास भीड़ कम कर बेहतर मॉनिटरिंग।

आईपीएल में पहले भी हुए ऐसे बदलाव

आईपीएल में पहले भी ऐसे बदलाव हुए हैं। छोटे नियम बदलाव बड़े असर डाल चुके हैं। इसमें 2023 में लाया गया इम्पैक्ट प्लेयर रूल, कप्तानों पर स्लो ओवर पेनल्टी, नो-बॉल और वाइड पर डीआरएस शामिल हैं।

13 मैच खेले जा चुके

अब तक आईपीएल 2026 के 74 में से 13 मैच खेले जा चुके हैं। 14वां मैच आज दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जा रहा है। यह जानकारी क्रिकबज की रिपोर्ट में सामने आई है।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

कोटा की बेटी अरुंधति ने जीता गोल्ड

कजाकिस्तान की टॉप बॉक्सर को 4-1 से हराया

कोटा (एजेंसी)। मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में 28 मार्च से बॉक्सिंग की एशियन चैंपियनशिप शुरू हुई थी. इसमें भारतीय बॉक्सिंग टीम में कोटा की बॉक्सर अरुंधति चौधरी भी शामिल है, जिसने गुरुवार को गोल्डन पंच मारा. अरुंधति ने फाइनल मुकाबला खेलते हुए 4-1 से अपने प्रतिद्वंद्वी कजाकिस्तान की टॉप बॉक्सर बकित सेइडिश को हराया. अरुंधति के शुरुआती कोच कोटा महाबली स्पोर्ट्स एकेडमी कोटा के अशोक गौतम ने बताया कि पूरी तरह से तीन राउंड में एक तरफा मुकाबले जैसा ही रहा है और पूरे मुकाबले में प्रतिद्वंदी बॉक्सर बकित सेइडिश पर भारी रही है. अरुंधति ने सीनियर वर्ग में 70

किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हुए स्वर्ण पदक जीता है. बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से लेकर कई लोगों ने उसे बधाई दी है।

कोटा की बॉक्सर अरुंधति के पिता और जिला मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष सुरेश चौधरी ने कहा कि उन्हें बेटी पर गर्व है. वह लगातार भारत का नाम ऊंचा कर रही है. आने वाले दिनों में वह ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम में भी भारत का प्रतिनिधित्व करेगी और भारत को यहां भी गोल्ड मेडल दिलाएगी. उनकी मां सुनीता चौधरी ने भी खुशी जताई है. अपनी बेटी के बारे में कहा है कि वह हमारा ही नहीं, कोटा और राजस्थान का नाम ऊंचा कर रही है. इसके पहले अरुंधति ने सेमी फाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की बॉक्सर ओयसिया थिरोव को 4-1 के अंतर से मात दी थी।

किंग कोहली से तुलना पर भड़के बाबर आजम, बोली ये बड़ी बात

पेशावर (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें वो पत्रकार से कोहली से तुलना करने से रोक रहे है और साथ में ये भी कह रहे हैं कि मैं ने भी बहुत से मैच फिनिश किए हैं। दरअसल बाबर आजम की ये वीडियो पीएसएल 2026 के मैच (हैदराबाद किंग्समेन बनाम पेशावर जालमी) के बाद की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस की है. उस मैच में जालमी ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया और हैदराबाद किंग्समेन को 145 के मामूली टोटल पर रोक दिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए, बाबर ने 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर पारी को संभाला, लेकिन मैच फिनिश करने से पहले ही आउट हो गए. उसके बाद बाबर की टीम ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की।

आईपीएल 2026 के बीच अफगानिस्तान को बड़ा झटका

दिग्गज स्पिनर भारत टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। राशिद खान के भारत के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट से बाहर रहने की संभावना ने अफगानिस्तान टीम को बड़ा झटका दिया है। जून में खेले जाने वाले इस मुकाबले से पहले राशिद ने खुद साफ संकेत दे दिए हैं कि वह इस मैच में शायद हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

डॉक्टर की सलाह बनी बड़ी वजह – राशिद खान ने खुलासा किया कि उनकी पीठ की चोट (बैक इंजरी) को लेकर डॉक्टर ने उन्हें साफ तौर पर रेड-बॉल क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है। लगातार लंबे स्पेल फेंकने से उनकी चोट बढ़ सकती है, जिससे उनके करियर पर भी असर पड़ सकता है।

राशिद खान का बड़ा बयान – राशिद ने अपने फैसले पर खुलकर कहा, रेड-बॉल क्रिकेट मेरे लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि डॉक्टर ने साफ कहा है कि इससे दूर रहो। मैंने पहले भी खेला, लेकिन सर्जरी के बाद जब मैंने 67 ओवर डाले तो डॉक्टर हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि अगर लंबा करियर चाहिए तो इस फॉर्मेट से दूरी बनानी होगी।

टेस्ट क्रिकेट में सीमित भागीदारी – अफगानिस्तान के टेस्ट खेलने वाला देश बनने के बाद से राशिद ने इस फॉर्मेट में बहुत कम मैच खेले हैं। उन्होंने संकेत दिया कि वह साल में एक टेस्ट तक ही खुद को सीमित रख सकते हैं, क्योंकि लगातार लंबे स्पेल उनके शरीर पर ज्यादा दबाव डालते हैं।

आखिरी गेंद की हार के बाद टूटे मिलर, डीसी कोच ने गले लगाकर बढ़ाया हौसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। देहली केपीटल्स को गुजरात टाइट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 1 रन से हार का सामना करना पड़ा। 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली 209/8 तक ही पहुंच सकी और आखिरी गेंद पर मैच हाथ से निकल गया।

मिलर की पारी गई बेकार

डेविड मिलर ने 20 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था। हालांकि, आखिरी ओवर में लिया गया एक फैसला और रन आउट ने उनकी शानदार पारी पर पानी फेर दिया।

कोच ने बढ़ाया हौसला, वीडियो वायरल – मैच के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें मिलर अकेले बैठे नजर आए और हार से काफी निराश दिखे। इसी दौरान टीम के कोच हेमांग बदांगी उनके पास पहुंचे और उन्हें सांत्वना देते नजर आए। यह भावुक पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

गावस्कर ने किया मिलर का समर्थन

भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने मिलर के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, उन्होंने खुद पर भरोसा दिखाया, लेकिन शायद उन्हें कुलदीप यादव को स्ट्राइक देनी चाहिए थी। हालांकि जिस आत्मविश्वास से वह खेल रहे थे, उसे देखते हुए उन्हें पूरी तरह गलत नहीं कहा जा सकता।

राहुल की पारी भी नहीं आई काम

केएल राहुल ने 52 गेंदों में शानदार 92 रन बनाकर दिल्ली को मजबूत शुरुआत दिलाई। बावजूद इसके, मिडिल ऑर्डर के लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई और अंत में जीत से चूक गई।

सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण बन रहा हादसों का कारण

न्यू जेल रोड करोंद में बाइक व कार की जोरदार भिड़ंत

भोपाल, नप्र। करोंद क्षेत्र में सड़कों किनारे अतिक्रमण बन रहा हादसों का कारण। आएदिन सड़को में कही रेत, गिट्टी,गन्ने की चरखियाँ तो कही गुमठीया और ठेले के कारण वाहनो के निकलने की मुश्किल के कारण छूट पुट हादसे रोजाना की बात हो गयी हैं। करोंद के भानपुर से लेकर संजीव नगर मोड़ तक अतिक्रमण पूरी तरह पैर पसार बैठा है। इसी अतिक्रमण के कारण बुधवार को न्यू जेल रोड सागर गिरी के पास अग्रवाल पेट्रोल पंप के सामने कार व बाइक की जोरदार भिंडन्त हुई।

जानकारी के अनुसार करोंद की ओर से आ रही कार जो सागर गैरे की तरफ मुड़ रही थी। इसी दौरान न्यू जेल रोड की तरफ से आ रही बाइक को अतिक्रमण के कारण जगह न मिलने की वजह से वह अपना संतुलन खो बैठा और कार से टकरा गया।

हादसा इतना जोरदार था कि कार व बाइक दोनों के सामने के तरफ के वाहनो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में जानकारी के अनुसार कार व बाइक चालक दोनों को गंभीर चोटें आई है। पुलिस द्वारा अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती करवाया गया है।

करोंद एनएचएआई व मेट्रो का कार्य भी: वहीं जहां करोंद का संपूर्ण क्षेत्र अतिक्रमण की चपेट में है। तो इसी बीच करोंद में मेट्रो रेल निर्माण कार्य और नेशनल हाईवे अर्थॉरिटी ऑफ इंडिया की सड़क व ब्रिज निर्माण का कार्य जारी है। जिसके कारण वाहनों को निकालने में और भी ज्यादा परेशानी होती है। तो वही रात होते ही करोद क्षेत्र में भारी वाहनों का मेला लग जात जिसके कारण अनेकों बार करो चौराहा जाम की स्थिति में घंटे तक फंसा रहता है। कारण बायपास रोड स्थित सुखी सेवनियाँ से लेकर बिलखारिया चौकी तक रोड बंद होने के कारण सभी भारी वाहन इसी सड़क से गुजर रहे हैं जो अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति निर्मित करते है।

अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत

दरसअल अतिक्रमण के बढ़ते पैरों का कारण अधिकारी व कर्मचारी है। जिनकी मिलीभगत से लगातार अतिक्रमण पैर पसारता जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अधिकारियों व कर्मचारियों की पीछे में रास्ते भर्ती है जेबें।

भोपाल पुलिस क्राइम ब्रांच की नशे के विरूद्ध कार्यवाही

10 पेटी मदिरा एवं एक चार पहिया वाहन के साथ आरोपियों को किया गिरफ्तार

भोपाल, नप्र। भोपाल पुलिस क्राइम ब्रांच की नशे के विरूद्ध कार्यवाही कर 10 पेटी मदिरा एवं एक चार पहिया वाहन के साथ आरोपियों को किया गिरफ्तार।

क्राइम ब्रांच की सतर्कता से अवैध शराब सप्लाई का भंडाफोड़। अवधपुरी में स्विफ़्ट डिजायर से 10 पेटी शराब बरामद। अपराध शाखा की बड़ी कार्रवाई। 90 लीटर अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार।

भोपाल पुलिस की कार्रवाई। 45 हजार की अवैध शराब जब्त: प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्वसनीय मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि अवधपुरी क्षेत्र मे बायपास के पास चार पहिया वाहन स्विफ्ट डिजायर क्र. MP04 TB 5176 में एक व्यक्ति भारी मात्रा में शराब रखे हुए है। यदि उसे जल्दी पकड़ा गया तो उसके पास भारी मात्रा में अवैध शराब मिल सकती है। तब सूचना विश्वनीय होने से हमराह स्टाफ को सूचना से अवगत कराया गया तथा मय हमराह स्टाफ के मुखबिर सूचना की तस्दीक हेतु थाने से रवाना हुये।

मुखबिर द्वारा बताये नम्बर का चार पहिया वाहन स्विफ्ट डिजायर दिखा जिसका पीछा शासकीय एंव प्रायवेट वाहन से किया जिसे हमराह स्टाफ की मदद से पीछा कर घेराबंदी कर गुलाब उद्यान, बीएचईएल,गोविन्दपुरा, भोपाल पर रोका जिसमें से चालक को बाहर निकाल कर उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम विशाल मेहरा पिता प्रीतम मैहरा उम्र 30 साल निवासी म.न. 267, गुप्ता नगर, भानपुर थाना छोला मंदिर भोपाल का बताया। जिसे हमराह आये साक्षीगण दीपक साहू व शैलेश पुरी के समक्ष अपने साथ लाये थाने के शासकीय वाहन व हमराह प्रायवेट चार पहिया वाहन की तलाशी दिलवायी। जिसमें कुछ नहीं मिला। चालक विशाल मेहरा के अधिपत्य मे चार पहिया वाहन स्विफ्ट डिजायर की तलाश ली। जिसके अंदर डिग्गी में विंध्यांचल डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड की

07 पेटी देशी मदिरा प्लेन एवं ड्राइवर के पीछे वाली सीट पर 03 पेटी देशी मदिरा प्लेन मिली जिसके संबंध में चालक विशाल मेहरा से शराब परिवहन का वैध लायसेंस मांगा। जो नहीं होना बताया। आरोपी विशाल मेहरा से देशी मदिरा का अवैध परिवहन करते पाया जाने से आरोपी विशाल मैहरा के कब्जे से 10 पेटी देशी मदिरा जिसमें प्रत्येक पेटी में 50 सील बंद क्वार्टर प्रत्येक क्वार्टर 180 एमएल देशी मदिरा होने से एक पेटी मे 09 लीटर देशी शराब तथा कुल 10 पेटी ,B,C,D,E,F,G,H,I,J में कुल 90 लीटर शराब कुल कीमती करीबन 45000/ होना पायी। आरोपी को कृत्य धारा 34(2) के तहत पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

उक्त कार्यवाही में उनि गोविन्द यादव, उनि सूरज रंधावा, आर. लक्ष्मण तोमर, आर. अनिल दांगी, आर. अमन पटेल, आर. अजीत सिंह, आर. रोहित यादव, आर. राहुल ठाकुर, आर. आनंद बार्वे, आर. घनश्याम चंद्रावत शामिल रहे।

प्रदेश में उपभोक्ताओं की बंद होगी एलपीजी गैस सप्लाई, विभाग ने जारी की चेतावनी

भोपाल निप्र। मध्य प्रदेश में घर-घर पाइप्ड नैचुरल गैस पहुंचाने के अभियान तेजी से चल रहा है। इसी को लेकर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सभी जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों और गैस वितरण से जुड़ी कंपनियों को जरुरी निर्देश जारी किए हैं। विभाग सचिव रश्मि अरुण शमी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर सभी जिलों के कलेक्टर सहित अन्य अधिकारीयों से चर्चा की। बैठक में कहा गया कि जिन इलाकों में पाइपलाइन का काम पूरा हो चुका है, वहां ज्यादा से ज्यादा 10 दिनों के अंदर गैस की सप्लाई शुरू करना अनिवार्य होगा।

अगले तीन महीने 2 लाख पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य: विभाग सचिव रश्मि ने बताया कि सरकार का टारगेट है कि ने अगले तीन महीनों में दो लाख नए पीएनजी कनेक्शन पूरे किए जाए। इस टारगेट को पूरा करने के लिए जबलपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन जैसे बड़े जिलों के साथ ही नगरीय इलाकों में भी तीव्र गति से कार्य चल रहा है। यही नहीं, जिन भी कॉलोनियों में पाइपलाइन की सुविधा पहले से मौजूद है वहां सबसे पहले अभियान के तहत कनेक्शन दिए जाएंगे।

नहीं लिया पीएनजी तो बंद हो जाएगी गैस सप्लाई

सचिव रश्मि ने बताया कि सरकार इस पूरी पीएनजी योजना को युद्ध स्तर पर लागू कर रही है। अधिकारीयों को कहा गया कि वह घर-घर जाकर पीएनजी के बारे में और उसके फायदे में बताए। यही नहीं उन्हें पाइप कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित भी करें। बैठक के दौरान एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए अब स्पष्ट चेतावनी भी गई। चेतावनी में कहा कि जिन घरों में पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है और उन्होंने अगर पीएनजी कनक्शन नहीं लिया है तो 3 महीने के बाद उनकी गैस सप्लाई बंद कर दी जाएगी।

विभागों में होंगे पीएनजी कनेक्शन: इस अभियान के तहत सरकारी विभागों और संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है। पुलिस विभाग के अलावा सरकारी आवास, ऑफिसर्स कॉलोनियां और सुधार गृह जैसे स्थानों पर पहले फेज के अंदर ही पीएनजी कनेक्शन पूरा करने को कहा गया है।

जनप्रतिनिधियों को शिविर आयोजित करने के निर्देश: बैठक में नगर निगम और पालिका सहित जनप्रतिनिधियों को भी अहम निर्देश दिए गए। उन्हें कहा गया है कि वे अपने क्षेत्रों में शिविर का आयोजन कराए। इस शिविर में वह लोगों का पंजीयन करवाएं जिससे कनेक्शन प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके। यही नहीं,औद्योगिक क्षेत्रों में भी ऐसे उद्योगों की पहचान की जा रही है जहां आसानी से एलपीजी या अन्य ईंधनों की जगह पीएनजी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

नववर्ष मेला महोत्सव: अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में नवरस की हुई बौछार, एक और एक और की लगी गुहार

पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त डॉ. सुनील जोगी सहित देश भर से आए कवियों ने बांधा समां

भोपाल, नप्र। झीलों के शहर भोपाल में बदलते मौसम में बह रही ठंडी बयार के बीच बुधवार की शाम देश भर से आए कवियों ने अपने कविता की पंक्तियों की बौछार से श्रोताओं को आनंद से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर दिल्ली से आए पद्मश्री डॉ सुनील जोगी और मेला समिति के अध्यक्ष डॉ उमाशंकर गुप्ता ने शहर की युवा कवयित्री डॉ विशाखा राजुरकर को विशेष रूप से सम्मानित किया। मध्यप्रदेश शासन के वीर भारत न्यास के सहयोग से आयोजित इस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का कुशल संचालन उज्जैन डॉ दिनेश दिग्गज ने कर श्रोताओं को अंत तक बांधे रखा।

महानगर मेला समिति भोपाल द्वारा आयोजित नववर्ष मेले में आरती पश्चात शुरू हुए कवि सम्मेलन ने शुरुआत से ही श्रोताओं को बांधे रखा।

उज्जैन से आए एवं संचालन कर रहे दिनेश दिग्गज ने हर नयन में एक बस तस्वीर भारत चाहिए, धर्म रक्षा के लिए गंभीर भारत चाहिए, धीर धरकर पीर सहना संधियों ई छोड़ दो, विश्व नतमस्तक रहे वो वीर भारत चाहिए का पाठ किया। शुरू हुआ सिलसिला तो उपस्थित लोगों ने कवियों से एक और एक और की गुहार लगाई। कवियों ने भी मंच से अपनी श्रेष्ठ पंक्तियां शहर सुधि श्रोताओं को समर्पित की। नई दिल्ली से पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त डॉ. सुनील जोगी ने होठों पर मुस्कान रहे दिल में हिंदुस्तान रहे।राजोद से जॉनी बैरागी ने हास्य कविताओं और चुटकुलों श्रोतों को गुदगुदाया। बाराबंकी से गजेंद्र प्रियांशु ने पांव बेचकर सफर खरीदे, सफर बेचकर रहें, जब मैं खुद को बेच चुका तो सबकी पड़ी निगाहें। इटावा से गौरव चौहान ने पृथ्वी राणा वीर शिवा की अमित विरासत वाले हैं। तुम्हें मुबारक रहे इंडिया, हम तो भारत वाले हैं। हाथरस से मीरा दीक्षित ने क्या-क्या बताएं भला और क्या-क्या छुपाएं मीरा। गूंगा उसे और उसको ही गाये मीरा। अब तो आवाज की हर लय में वही बसता। श्याम को छोड़कर क्या-क्या सुनाएं मीरा।भीलवाड़ा से दीपक पारीक ने गुजर जो वक्त आज बहारों के बीच में। हमने भी कर दी शायरी। यारों के बीच में रिश्ते सुधारने हो तो दीवार तोड़ दो। क्यों झांकते हो रोज दरारों के बीच में। नागपुर से श्रद्धा शौर्य ने वह स्वयं वीरता की गाथा पौरूष की नई निशानी थी। रानी मर्दानी क्यों होती जब रानी स्वयं भवानी थी। राजस्थान से पार्थ नवीन ने अपनी कविता 'उड़ते रहे हवाओं में कपूर की तरह, बजाते रहो फिजाओं में संतूर की तरह, मुरझाए हुए फूल पर आएगी तितलियां, एंजॉय कीजिए शशि थरूर की तरह' मेला समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने देश के अलग-अलग शहरों से कविता पाठ के लिए पधारे कवियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु अर्जन देव जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं

भोपाल निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख धर्म के पांचवें गुरु अर्जन देव जी के पावन प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु श्री अर्जन देव जी की त्याग, सेवा, समर्पण और सहिष्णुता के प्रति आपकी प्रेरणा, संपूर्ण विश्व के कल्याण का स्रोत है। मानवता, भाईचारे और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश समाज को नई दिशा देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के शौर्य दिवस की दीं शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अदम्य साहस, अटूट संकल्प और अद्वितीय राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हमारे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के शौर्य दिवस की शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीर जवानों के शौर्य को प्रणाम कर कहा कि बल के जवानों का साहस, त्याग और समर्पण देश की सुरक्षा का सशक्त आधार है।

आज आंधी-बारिश का असर, कल से पूरे प्रदेश में बढ़ेगी तेज गर्मी

5-6 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

भोपाल निप्र। मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर करवट लेने वाला है। बीते कई दिनों से आंधी-बारिश और बादलों के कारण मिली राहत अब खत्म होने जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार 10 अप्रैल से प्रदेश में तेज गर्मी का दौर शुरू होगा और दिन के तापमान में 5 से 6 डिग्री सेल्सियस तक उछाल आ सकता है।हालांकि, इससे पहले गुरुवार को प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम सक्रिय रहेगा। उमरिया, शहडोल, डिंडौरी, अनूपपुर, मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया गया है।

आज बदलेगा मौसम, तेज आंधी का असर: गुरुवार को दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। कई जिलों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है, जबकि अन्य क्षेत्रों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार दर्ज होगी। वहीं बुधवार को प्रदेश के उत्तर, पूर्व और पश्चिमी हिस्सों में तीन

साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय रहे। इसी वजह से भोपाल समेत 15 से ज्यादा जिलों में बारिश और तेज हवाएं चलीं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

11 अप्रैल से नया सिस्टम, लेकिन असर कम

मौसम विभाग के मुताबिक 11 अप्रैल को उत्तर-पश्चिम भारत में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, लेकिन इसका मध्यप्रदेश पर असर सीमित रहने की संभावना है। अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। रायसेन, छतरपुर, उज्जैन और शिवपुरी में बारिश के कारण खेतों में कटी हुई गेहूं की फसल भीग गई, जिससे नुकसान की आशंका है।

अब शुरू होगा असली गर्मी का सीजन

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अप्रैल और मई प्रदेश में गर्मी के पीक महीने होते हैं। इस बार मार्च के आखिरी दिनों में तापमान 41एष्ट के पार पहुंच गया था, लेकिन बार-बार एक्टिव सिस्टम के चलते गर्मी का असर धीमा पड़ा। पिछले 8 दिनों से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार बारिश, ओलावृष्टि और आंधी का दौर बना रहा। फरवरी और मार्च में भी चार-चार बार मौसम बदला, जिससे फसलों को भारी नुकसान हुआ।

हैप्पी इंडेन करोंद से सिलिंडर डिलीवर, परन्तु उपभोक्ता को नहीं मिला

कलेक्टर से लेकर सीएम हेल्पलाइन में शिकायत, जांच करने पहुँचा खाद्य विभाग ,प्रकरण दर्ज

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल के करोंद न्यू जेल रोड स्थित हैप्पी इंडियन गैस एजेंसी में सिलेंडर बुक होने के बाद उपभोक्ता को डिलीवर भी हो गया। परंतु जब उपभोक्ता एजेंसी पहुंचा तो उसका सिलेंडर पता लगा कि वह डिलीवर हो चुका है। जबकि उसे वह मिला ही नहीं। इसकी शिकायत कलेक्टर से लेकर सीएम हेल्पलाइन में की गई। इसके बाद जांच करने खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसने गड़बड़ी पकड़ प्रकरण दर्ज किया है।

जिले में घरेलू गैस सिलिंडर के करीब साढ़े पांच लाख उपभोक्ता हैं और इनको 40 से अधिक गैस एजेंसियों के द्वारा आपूर्ति की जाती है।इनमें सबसे अधिक एजेंसी 26 इंडेन की हैं और दो लाख से अधिक उपभोक्ता भी इंडेन के हैं।ऐसे में सबसे अधिक बुकिंग प्रतिदिन आठ हजार इंडेन उपभोक्ताओं के द्वारा की जाती हैं और आपूर्ति करीब छह हजार की जा रही है। इसके बाद भी इंडेन के उपभोक्ता परेशान चल रहे हैं उनको बुकिंग के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल रहा है और वह परेशान होकर एजेंसी पर पहुंचकर मशक्कत कर रहे हैं।ऐसा ही हाल करोंद के जेल रोड

स्थित हैप्पी इंडेन गैस एजेंसी का बना हुआ है, यहां पर उपभोक्ताओं को सिलिंडर बुकिंग के बाद भी समय पर नहीं मिले हैं।इससे वह परेशान होकर बुधवार को एजेंसी पर पहुंचे तो पता चला कि उनके नाम का सिलिंडर आपूर्ति हो गया है। यह सुनते ही वह हैरान हो गए और संचालक से जवाब मांगा तो वह कुछ नहीं बता पाया।इससे उन्होंने कलेक्ट्रेट में शिकायत दर्ज करवाई है।उपभोक्ता नीरज पचौरी, धीरज लोधी सहित अन्य ने शिकायत करते हुए बताया कि हैप्पी इंडेन गैस एजेंसी पर बुकिंग की थी। लेकिन अब तक सिलिंडर नहीं मिला है। जब एजेंसी पर पहुंचे तो मना करते हुए बताया कि सिलिंडर आपूर्ति कर दिया गया है। जबकि उनको सिलिंडर मिला ही नहीं है।ऐसे में उपभोक्ताओं का आरोप है कि उनके नाम का सिलिंडर कालाबाजारी कर बेचा जा रहा है और मोटी रकम वसूली जा रही है।ऐसे में जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

करीब 500 से ज्यादा सिलिंडर में मिली गड़बड़ी: जांच के लिए पहुँचे खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तृणाल जंभोलकर व सुनील वर्मा ने टीम सहित हैप्पी इंडेन गैस एजेंसी का निरीक्षण व जांच की तो पता चला कि प्रतिदिन 550 से 1100 सिलिंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इसके बदले में करीब 600 सिलिंडरों की आपूर्ति की जा रही है। जब टीम ने रिकार्ड देखा तो पता चला कि जिन उपभोक्ताओं ने पहले बुकिंग की थी। उनको सिलिंडर नहीं मिला है।जबकि ऐसे उपभोक्ता जिन्होंने बाद में बुकिंग की थी। उनको सिलिंडर की आपूर्ति की गई है।इस पर संचालक ने सफाई दी कि सर्वर की गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ है। हालांकि जांच के बाद टीम ने प्रकरण बनाया लिया है, जिसे जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।

कहा जा रहे उपभोक्तओं के घरेलू सिलिंडर

आखिर यह गड़बड़ी वाले सिलेंडर जो उपभोक्ता द्वारा बुक किए जाते हैं और उन्हें समय पर प्राप्त नहीं हुए होते वह जा कहां रहे हैं। दरअसल यह सिलेंडर प्रतिष्ठानों दुकानों व ठेलों पर संचालित दुकानों पर ढाई हजार से लेकर 3000 तक एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा बेचे जा रहे हैं। ऐसी जानकारी सूत्रों के हवाले से प्राप्त हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कर्मचारियों द्वारा हेरा फेरी कर 4 से 5 दिन और 8 दिन के बीच में वह सिलेंडर फिर से किसी अन्य उपभोक्ता द्वारा बुक करने के बाद पहले उपभोक्ता को वह सिलेंडर डिलीवर कर दिया जाता है। जो बाद में बुकिंग करने वाले उपभोक्ता का सिलेंडर रूटीन में उन दुकानों का प्रतिष्ठानों में बेचा जाता है। यह मुनाफाखोरी और कालाबाजारी लगातार एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा जारी है।

इनका कहना

शिकायत मिलने के बाद खाद्य विभाग की टीम हैप्पी इंडियन गैस एजेंसी न्यू जेल रोड करोद पहुची थी। जहां पर गड़बड़ी प्राप्त होने पर प्रकरण दर्ज कर किया गया है। जो न्यायालय में पेश किया जाएगा। **चन्द्रप्रकाश जादौन,** जिला खाद्य अधिकारी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई-3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। **संपादक**- आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल . 7697769136